सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 281, नई दिल्ली

शुक्रवार, 22 दिसम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

ऊँचाई पर वही पहुँचते है, जो बदला नहीं बदलाव लाने की सोच रखते है।

आतंकी मामले से जुड़ी कार उठाकर कबाड़ी से कटवाई, परिवहन विभाग की बड़ी लापरवाही....

उम्र पूरी कर चुके वाहनों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान परिवहन विभाग की टीम ने एक ऐसी कार जब्त कर ली, जो आतंकी मामले में साक्ष्य तौर पर पुलिस द्वारा जब्त की गई थी। इस कार को परिवहन विभाग ने उठवाकर कबाड़ी से कटवा दिया है।

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन विभाग की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। उम्र पूरी कर चुके वाहनों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान परिवहन विभाग की टीम ने एक ऐसी कार जब्त कर ली, जो आतंकी मामले में साक्ष्य तौर पर पुलिस द्वारा जब्त की गई थी। इस कार को परिवहन विभाग ने उठवाकर कबाड़ी से कटवा दिया है। उक्त कार दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के मुख्यालय लोधी कालोनी के पास बाहर खड़ी थी। इस मामले में अभी फिलहाल परिवहन विभाग के अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं।

परिवहन विभाग के विशेष आयुक्त शहजाद आलम ने कहा कि हमारी ओर से कोई गलती नहीं है। वाहन सार्वजनिक सड़क पर पार्क किया गया था और इसे जब्त कर कबाड़ी को भेज दिया गया है। ये वर्ष 2006 माडल की मारुति आल्टो कार थी। उन्होंने बताया कि जब्त किए जाने के तीन महीने तक कोई दावा करने नहीं आया, ऐसे में उसे कबाड़ी को भेज दिया गया।

मामला सामने आने पर परिवहन विभाग ने कबाड़ी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। इस पर कबाड़ी ने कार के कबाड़ की तस्वीरें साझा की हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उक्त कार एक आतंकी मामले से जुड़ी थी। इसकी जनवरी में कोर्ट में केस की तारीख लगी है।

विशेष परिवहन आयुक्त शहजाद आलम द्वारा 2006 माडल अल्टो कार के लिए जो ब्यान प्रस्तुत किए और पीटीआई द्वारा जनहित में प्रस्तुत हुए वह न्याय की दृष्टि और एमवी एक्ट और एनजीटी और शीर्ष अदालत के आदेश के विपरीत है।

स्पैशल शाखा दिल्ली पुलिस द्वारा जब्त वाहन को थाने से या थाने के बाहर से उठाकर स्क्रैप करने के पहले एनसीआरबी रिपोर्ट निकालना और वाहन मालिक को सूचना प्रदान करना अनिवार्य है पर इनमे से कोई भी प्रक्रिया को नही अपनाया गया और ना ही वाहन को वाहन पोर्टल पर स्क्रैप डीलर में अपने कब्जे में दिखाया और ना ही स्क्रैप सर्टिफिकेट जारी किया था जो नियम के अनुसार पंजीकृत स्क्रैप डीलर के लिए वाहन स्क्रैप करने से पहले अनिवार्य है।

इतनी गलतियों को देखने के बाद भी विशेष परिवहन आयुक्त द्वारा स्क्रैप डीलर के पक्ष में ब्यान देना, क्या सिद्ध करता है यह आप स्वयं सोच सकते है।

परिवहन विशेष
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र
Title Code : DELHIN28985
PARIVAHAN VISHESH NEWS

1. Web Portal https://www.newsparivahan.com/
2. facebook https://www.facebook.com/newsparivahan00
3. Twitter https://twitter.com/newsparivahan
4. Linkedin https://www.linkedin.com/in/news-parivahan-169680298/
5. Instagram https://www.instagram.com/news_parivahan/
6. Youtube https://www.youtube.com/@NewsParivahan

पर आप सभी के लिए 24 घण्टे उपलब्ध

3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, A-4 पश्चिम विहार, नई दिल्ली : 110063
सम्पर्क : 9212122095, 9811732095

www.newsparivahan.com, www.newstransport.in
Info@newsparivahan. com, news@newsparivahan.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

ड्राइवर को निःशुल्क चाय उपलब्ध करायी जायेगी

जिसका खर्च सरकार वहन करेगी

मनोरंजन सासमल,
स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वरः ड्राइवर को मुफ्त चाय मिलेगी. रात में गाड़ी चलाने वाले ड्राइवरों के लिए मुफ्त चाय। उन्हें चाय और होटल की सुविधा दी जायेगी. इस संबंध में परिवहन विभाग की ओर से निर्देश दिये गये हैं.राज्य में सड़क हादसों को रोकने के लिए परिवहन विभाग ने ऐसा अनोखा तरीका अपनाया है. सड़क किनारे की झोपड़ियाँ और होटल उन ट्रक ड्राइवरों को मुफ्त चाय परोसेंगे जिनकी रातों की नींद हराम हो गई है।चाय ही नहीं, ड्राइवर उस होटल और शेल्टर में आराम भी कर सकता है।

रात को नींद न आने के कारण सुबह होते ही ट्रक चालक की आंखें बंद हो जाती हैं। इसके लिए जिला स्तर पर होटल व आश्रय स्थल चिह्नित किये जायेंगे. वहां ड्राइवरों को मुफ्त चाय मिलेगी. परिवहन मंत्री टुकुनी साहू ने बताया कि चाय का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी.

उन्होंने आगे कहा, सड़क दुर्घटनाएं चिंता का कारण बन गई हैं. इसके लिए हमने सड़क सुरक्षा बैठक की. हमारे लिए हर जीवन कीमती है। हमें उम्मीद है कि हर कोई इसमें हमारा साथ देगा।'

दिल्ली मंडल में इस वर्ष बिना टिकट ढाई लाख यात्री पकड़े गए, पानीपत-गाजियाबाद रेल रूट पर सबसे अधिक मामले

परिवहन विशेष न्यूज

इस साल दिल्ली मंडल में 31 अक्तूबर तक 2.59 लाख यात्रियों को बिना टिकट सफर करते हुए पकड़ा गया।

नई दिल्ली। बिना टिकट ट्रेन में सफर करना दंडनीय अपराध है, लेकिन यह अपराध दिल्ली से पानीपत और गाजियाबाद रूट पर सफर करने वाले यात्री सबसे ज्यादा कर रहे हैं। इस साल दिल्ली मंडल में 31 अक्तूबर तक 2.59 लाख यात्रियों को बिना टिकट सफर करते हुए पकड़ा गया। इनसे 14.14 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया। इसमें दिल्ली से पानीपत और गाजियाबाद रूट पर सबसे अधिक यात्री बिना टिकट के सफर करते हुए पकड़े गए हैं।

अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली से रोहतक, बठिंडा, दिल्ली से रेवाड़ी, दिल्ली से गाजियाबाद, दिल्ली से पानीपत, दिल्ली से सहारनपुर, दिल्ली शाहदरा टपरी और दिल्ली-शामली समेत सैकड़ों ट्रेनें चलती हैं, जिनमें रोजाना लाखों यात्री सफर करते हैं। लोकल एएमयू ट्रेनों में नियमित सफर करने वाले यात्रियों की संख्या ज्यादा रहती है। इनमें बिना टिकट के यात्रा करने वालों की संख्या काफी रहती है, जो सुबह और शाम को सफर करते हैं। इस वर्ष ढाई लाख से अधिक यात्री बिना टिकट के पकड़े गए हैं। औसतन देखा जाए तो रोज 854 यात्री बिना टिकट के पकड़े जा रहे हैं।

किसी को नहीं हुई जेल, सभी ने भरा जुर्माना

आरपीएफ की वरिष्ठ सुरक्षा आयुक्त प्रियंका शर्मा ने बताया कि ज्यादातर शटल (कम दूरी के लिए चलने वाली लोकल) ट्रेनों में यात्री बिना टिकट सफर करते हैं। बिना टिकट यात्रा करने से यात्रियों को रोकने के लिए वाणिज्य विभाग के साथ मिलकर जांच अभियान चलाया जाता है। ट्रेनों के अंदर व रेलवे स्टेशनों पर यह अभियान चलाया जाता है। वर्ष 2022 के मुकाबले इस वर्ष 31 अक्तूबर तक बिना टिकट यात्रा करने वालों की संख्या दिल्ली मंडल में 47.83 प्रतिशत कम हुई है। इस साल दिसंबर के अंत तक यह आंकड़ा करीब 45 प्रतिशत तक रहने की उम्मीद है। वर्ष 2020 से वर्ष 2023 तक बिना टिकट पकड़े गए किसी भी यात्री को जेल नहीं हुई। सभी से जुर्माना वसूला गया है।

100 फीसदी छूटा सामान वापस करने में कामयाब रही आरपीएफ

दिल्ली मंडल में यात्रियों का इस वर्ष छूटा सामान वापस करने में आरपीएफ 100 प्रतिशत कामयाब रही है। इस वर्ष 31 अक्तूबर तक 1312 यात्रियों का विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर सामान छूटा है। इन सभी को उनका सामान सही सलामत वापस मिल चुका है। 2020 से वर्ष 2023 तक 2978 यात्रियों का सामान दिल्ली मंडल के विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों में छूटा, जिसमें से 2869 को सामान वापस कराया गया, जबकि 109 सामान के मालिक सामने नहीं आने पर उसे रेलवे के लॉस्ट प्रॉपर्टी ऑफिस में जमा कराया गया है।

अब वाहनों के दबाव पर रंग बदलेगा ट्रैफिक सिग्नल, एक बार फिर योजना लागू करने की तैयारी

चौराहे पर लगे कैमरे, सेंसर और सॉफ्टवेयर की मदद से वाहनों के दबाव घटने और बढ़ने पर सिग्नल रंग बदल जाएगा। सड़क के जिस कैरिजवे पर दबाव ज्यादा होग उस ओर सिग्नल हरा हो जाएगा।

नोएडा। शहर के चौराहों पर ट्रैफिक के दबाव को देखकर सिग्नल का रंग बदलेगा। चौराहे पर लगे कैमरे, सेंसर और सॉफ्टवेयर की मदद से वाहनों के दबाव घटने और बढ़ने पर सिग्नल रंग बदल जाएगा। सड़क के जिस कैरिजवे पर दबाव ज्यादा होग उस ओर सिग्नल हरा हो जाएगा। फार्मूला सफल हुआ तो चालकों को शहर के ट्रैफिक सिग्नल पर ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा। नोएडा प्राधिकरण और यातायात विभाग एक बार फिर से इस योजना को लागू करने की कवायद में जुट गए हैं। पिछली बार मिली असफलता से सबक लेकर इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसटीएमएस) के माध्यम से इस योजना को लागू करने की तैयारी की जा रही है।

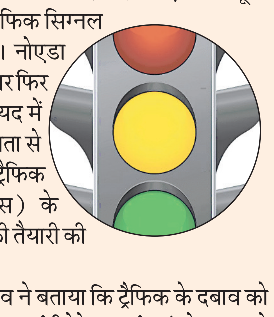

डीसीपी ट्रैफिक अनिल कुमार यादव ने बताया कि ट्रैफिक के दबाव को देखते हुए व्यस्त समय में सेक्टर-94 स्थित इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल रूम से अभी तक मैनुअल तरीके से ट्रैफिक सिग्नल के समय में बदलाव किया जा रहा है। इस मसले को तकनीक आधारित बनाने के लिए बुधवार को आईएसटीएमएस का संचालन करने वाली कंपनी एफकॉन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई जिसमें उच्च तकनीक वाले सीसीटीवी कैमरों को ट्रैफिक से पहले चौराहे की बजाय सड़क की तरफ लगाया जाएगा। इन कैमरों मे विशेष सेंसर लगे होंगे। सेंसर और सॉफ्टवेयर की मदद से वाहनों की अधिकता के आधार पर सिग्नल लाल और हरे हो जाएंगे।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/ 25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

पाइनव्यू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
भारत सरकार द्वारा अधिकृत वाहन स्क्रैप डीलर (आरवीएस)

- हरियाणा राज्य में प्रतिदिन 100 वाहनों को स्क्रैप करने की क्षमता के साथ 3 एकड़ का स्क्रैपिंग यार्ड
- दिल्ली म्यूनिसिपल कार्पोरेशन और दिल्ली परिवहन विभाग के साथ मिलकर ईएलवी वाहनो को हटाने और कायदे अनुसार स्क्रैप करने में सहयोग और योगदान
- दिल्ली सरकार द्वारा उम्र पूरी कर चुके वाहनों को स्क्रैप करने के लिए लाइसेंस प्राप्त करने वाली द्वितीय कंपनी
- जनता द्वारा स्वेच्छा से अपने ईएलवी वाहन को उचित मूल्य दर प्रदान कर स्क्रैप करने में अव्वल,
- डी टी सी की 100 ईएलवी बसों को स्क्रैप करने का टेंडर प्राप्त करने वाली कम्पनी
- आर.वी.एस.एफ. की नवीनतम नीति के अंतर्गत हरियाणा में लाइसेंस प्राप्त करने वाली तृतीय कंपनी
- कंपनी का दृष्टिकोण और ईएलवी वाहनों को स्क्रैप करने की कार्यशैली पूर्ण रूप से पर्यावरण स्वरूप

पाइनवियो टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
(भारत सरकार द्वारा अधिकृत वाहन स्क्रैप डीलर)
मुख्य स्क्रैप सेंटर
विक्रम बख्शी :- 09999996391
यूनिट एवम कार्यालय :- 63, पिआयू मनियारी, नरेला रोड कुंडली, सोनीपत, हरियाणा 131001

दिल्ली में मिलने का कार्यालय :-
अनिल :- 08178234951
खजान बस्ती गुरद्वारे के करीब, ग्राउंड फ्लोर, सी :-260 - लेफ्ट साइड हिस्से में, मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 2, न्यू दिल्ली 110064 .

इन 7 लक्षणों को भूलकर न करें करें इग्नोर, हो सकता है स्तन कैंसर

आमतौर पर शरीर के विभिन्न अंगों में होने वाले कैंसर को उन्हीं के नामों से जाना जाता है. ब्रेस्ट कैंसर इस गंभीर बीमारी का सबसे आम, लेकिन गंभीर प्रकार है. यह दुनियाभर में होने वाली महिलाओं की मौत का प्रमुख कारण है. ऐसा माना जाता है कि 5% से 10% तक ब्रेस्ट कैंसर के मामले आनुवंशिक होते हैं.

आधुनिक दौर की जीवन शैली और आज के खानपान के चलते कई तरह की बीमारियां समाज में पैदा हो रही हैं. उनमें से एक ब्रेस्ट कैंसर भी है. आंकड़ों के अनुसार कैंसर दुनियाभर में होने वाली मौतों का सबसे प्रमुख कारण माना जाता है. यह एक गंभीर बीमारी है, जो सही इलाज न मिलने पर जानलेवा साबित हो सकती है. आमतौर पर शरीर के विभिन्न अंगों में होने वाले कैंसर को उन्हीं के नामों से जाना जाता है. ब्रेस्ट कैंसर इस गंभीर बीमारी का सबसे आम, लेकिन गंभीर प्रकार है. यह दुनियाभर में होने वाली महिलाओं की मौत का प्रमुख कारण है.

इसकी कुछ मुख्य वजहों में पारिवारिक इतिहास, रेडिएशन के संपर्क में आना, मोटापा, शराब का सेवन आदि हैं. उम्र के साथ महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ता जाता है. ऐसा माना जाता है कि 5% से 10% तक ब्रेस्ट कैंसर के मामले आनुवंशिक होते हैं

इलाज में न करें देरी

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में और आसपास के इलाकों से ऐसे मामले अक्सर आते रहते है. ब्रेस्ट कैंसर के इन शुरुआती लक्षणों से आप इसकी पहचान कर सकते हैं, जैसे स्तन में किसी तरह की गांठ होना. अगर आपको इस तरह का कोई लक्षण दिखाई दे, तो आप तुरंत अस्पताल पहुंचे. दून अस्पताल समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाता रहता है और इसी के साथ ही दून अस्पताल में कीमोथेरेपी आदि जैसी सुविधाओं से कैंसर के मरीजों को राहत भी मिल रही है.

कम उम्र में भी हो सकता है ब्रेस्ट कैंसर

दून अस्पताल में कैंसर विभाग के एचओडी डॉ दौलत सिंह ने जानकारी देते हुए कहा है कि सहारनपुर, बिजनौर, चकराता, देहरादून और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों से दून अस्पताल में काफी मरीज ब्रेस्ट कैंसर के आ रहे हैं. उन्होंने बताया कि पहले 45 से 50 की महिलाओ में ब्रेस्ट कैंसर की शिकायत आम होती थी लेकिन अब कम उम्र में भी ब्रेस्ट कैंसर से ग्रसित मरीज अस्पताल में इलाज के लिए आ रहे हैं.

मोटापा बन सकता है ब्रेस्ट कैंसर का कारण

डॉक्टर सिंह बताते हैं कि नेचुरल फूड से दूर होकर आधुनिक समाज में लोग पिज़्ज़ा, बर्गर आदि फास्टफूड का ज्यादा सेवन कर रहे हैं, जिनमें सैचुरेटेड फैट होता है. यही कैंसर का कारण बन सकता है. नेचुरल डाइट और प्रॉपर न्यूट्रिशन न मिलने पर सैचुरेटेड फैट बॉडी में इकट्ठा होता रहता है. व्यायाम नहीं करने से वह बर्न नहीं हो पाता है, जिससे कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी हो सकती है. मोटापा होने से भी ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बना रहता है. डॉक्टर बताते हैं कि अगर इसमें सही से और वक्त पर ट्रीटमेंट ना किया जाए, तो व्यक्ति की मौत भी हो जाती है.

ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण

अंडरआर्म्स और ब्रेस्ट में कोई लम्प (Breast Lump) या गांठ बनना.

स्तनों या उसके आसपास के भाग में टाइटनेस और सूजन.

स्तनों के साइज या शेप में बदलाव.

ब्रेस्ट स्किन का ढीला होना या सिकुड़ जाना.

ब्रेस्ट निपल से डिस्चार्ज होना.

ब्रेस्ट निपल से डिस्चार्ज होना.

रोज सुबह उठकर करें सिर्फ एक काम, 40% तक घट जाएगा कोलेस्ट्रॉल, कब्ज से भी मिलेगा छुटकारा, सेहत होगी चकाचक

अच्छी आदतें और बेहतर खान-पान के जरिए आप कई बीमारियों से राहत पा सकते हैं. खाने-पीने का बेहतर रूटीन बनाया जाए, तो आप लंबे समय तक हेल्दी रह सकते हैं. कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए रोज सुबह फल खाने की आदत बेहद लाभकारी हो सकती है. इस बारे में कई रिसर्च में चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं.

सेब सेहत के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद फलों में शुमार होता है. इसमें तमाम पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को बीमारियों से बचाकर स्वस्थ रखने में मददगार साबित होते हैं. रोज सुबह 2 सेब खाने से आपको कई परेशानियों से राहत मिल सकती है. ऐसा हम नहीं कह रहे, बल्कि कई रिसर्च में सेब के बेहतरीन फायदे सामने आए हैं. हाई कोलेस्ट्रॉल और कब्ज के मरीजों के लिए तो यह फल रामबाण साबित हो सकता है. अगर आप सेब खाने के शौकीन हैं, तो आपके लिए अच्छी खबर है.

साल 2019 में सामने आई एक स्टडी में पता चला कि रोज 2 सेब खाने से शरीर में जमे बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को काफी हद तक कम किया जा सकता है. सेब कोलेस्ट्रॉल की परेशानी से राहत दिलाकर हार्ट हेल्थ बूस्ट करता है. सेब खाने से लोगों को हार्ट डिजीज का खतरा कम हो सकता है. सेब में भरपूर मात्रा में फाइबर और पॉलीफेनॉल्स पाए जाते हैं, जो शरीर में जाकर सेहत को दुरुस्त करने में मदद करते हैं. ये पोषक तत्व हमारी खून की धमनियों को रिलेक्स करने में मदद करते हैं और इनमें जमे कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने में मदद करते हैं.

यह रिसर्च ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग के शोधकर्ताओं ने इटली के वैज्ञानिकों से साथ मिलकर की थी. यह रिसर्च अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित हुई थी. हालांकि ऐसा पहली बार नहीं है, जब किसी रिसर्च में सेब और कोलेस्ट्रॉल के बीच सीधा संबंध देखने को मिला है. इससे पहले साल 2011 में यूएसए की फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों से रिसर्च की थी. इसमें पता चला था कि रोज 2 सेब खाने से बैड कोलेस्ट्रॉल यानी लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन (LDL) लेवल 40 फीसदी तक कम हो सकता है. साल 2012 में ओहियो यूनिवर्सिटी की रिसर्च में भी ऐसे ही तथ्य सामने आए थे.

खास बात यह है कि रोज सेब खाने से कब्ज की समस्या भी दूर हो सकती है. सेब में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है. फाइबर एक ऐसा तत्व है, जो हमारे पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करता है और पेट साफ करने में मदद करता है. कब्ज के मरीजों को अक्सर फाइबर से भरपूर फूड्स खाने की सलाह दी जाती है. सेब को इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए भी अच्छा माना जाता है. इसका सेवन करने से मेंटल हेल्थ भी बूस्ट हो सकती है. सभी लोग नियमित रूप से सेब का सेवन कर सकते हैं. हालांकि अगर आप किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं, तो सेब खाने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह लें.

मेंटल हेल्थ के लिए खतरनाक है अकेलापन, इससे कैसे निपटा जाए, महिलाएं जरूर फॉलो करें 5 टिप्स

क्या आप जानती हैं मानसिक स्वास्थ्य के लिए अकेलापन कितना खतरनाक है? यही नहीं, अधिक दिनों तक अकेलापन आपके शारीरिक सेहत को भी प्रभावित करने लगता है. इससे निपटने के लिए अपनाएं ये टिप्स.

बदलते लाइफस्टाइल और व्यस्त होती जिंदगी में लोग भीड़ में भी अकेलापन महसूस करते हैं. ये अकेलापन रिश्ते को सही तरीके से ना निभा पाने, भावनात्मक रूप से अलगाव महसूस करने या खुद से नाराजगी के कारण भी लोगों के मानसिक सेहत पर नकारात्मक असर डालने लगता है. ऐसे हालात में इंसान कई बार परिवार के साथ रहकर भी अकेला महसूस करता है. ऐसे अकेलेपन में महिलाएं आसानी से घिर जाती हैं और वे धीरे-धीरे लोगों से दूरी बनाने लगती हैं. यहां हम बता रहे हैं कि आप खुद को अकेलेपन से किस तरह बचा सकती हैं.

महिलाएं खुद को इस तरह बचाएं अकेलेपन से

खुद के प्रति रहें उदार

साइकोलॉजी टुडे के मुताबिक, अगर आप अपने इस बुरे हाल की वजह खुद का मानती हैं और हर वक्त खुद का सजा देती रहती हैं तो यह तरीका आपको कभी भी अकेलेपन से बाहर नही निकलने देगा. बेहतर होगा कि आप अपना ख्याल रखें, खुद को अच्छी लगने वाली चीजें करें और खुद के प्रति उदार बनें.

भीगा चना खाने के 5 जबरदस्त फायदेआगे देखें...

आप जब कुछ पॉजिटिव काम करती हैं तो आप फीलगुड महसूस करती हैं. यही नहीं, आप खुद के प्रति अच्छा महसूस करती हैं. ऐसे में आप अपनी बातों को शेयर करें, लोगों की मदद करें और जरूरतमंदों के साथ अच्छा वक्त गुजारें.

रियल लाइफ में जिएं

सही मायने में सोशल मीडिया आपको अपनों से नजदीक नहीं, दूर ले जाता है, इसलिए बेहतर होगा कि आप रियल लाइफ में जिएं. बेहतर होगा कि आप कुछ दिनों में लिए सोशल मीडिया से हट जाएं और अपने आसपास की जिंदगी को महसूस करें.

एक्सपीरियंस पर करें खर्च

जीवन में कुछ नया अनुभव हासिल करने के लिए भले ही आपको पैसे खर्च करने पड़े, आप खर्च करें. यह आपको दुनिया में जीने का नया मौका देता है. आप कहीं ट्रैवल करें, टूर पर जाएं, ट्रैकिंग का अनुभव लें यानी अब तक जो नहीं किया है, उन चीजों पर खर्च करें और नया अनुभव हासिल करें.

अजनबियों से करें बात

अगर आप राह चलते किसी से बात करती हैं तो आप बेहतर महसूस करेंगी. इसके लिए आप जब भी बाहर हों, तो लोगों से मिलते ही हैलो, गुड मॉर्निंग या आप कैसे हैं, आदि जरूर पूछती रहें.

अकेलेपन का असर

- -अल्जाइमर की बीमारी
- -ब्रेन फंक्शन में समस्या
- -एंटीसोशल बिहेवियर
- -हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा
- -याददाश्त की कमी
- -तनाव का लगातार बढ़ना
- -निर्णय लेने की क्षमता में कमी.

दिल्ली बीजेपी का जंतर-मंतर पर प्रदर्शन, विपक्षी नेताओं से की माफी की मांग

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली बीजेपी ने संसद में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री मामले को लेकर जंतर-मंतर पर गुरुवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी और राहुल गांधी समेत सभी विपक्षी नेताओं से माफी की मांग की। सभी प्रदर्शनकारी माथे पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शन में बीजेपी सांसद मनोज तिवारी और प्रवेश वर्मा भी मौजूद रहे।

नई दिल्ली। दिल्ली बीजेपी ने संसद में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री मामले को लेकर जंतर-मंतर पर गुरुवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी और राहुल गांधी समेत सभी विपक्षी नेताओं से माफी की मांग की। सभी प्रदर्शनकारी माथे पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शन में बीजेपी सांसद मनोज तिवारी और प्रवेश वर्मा भी मौजूद रहे।

सांसदों के निलंबन के खिलाफ मंगलवार को संसद की सीढ़ियों पर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के दौरान बनर्जी द्वारा धनखड़ का उपहास करने के बाद राजनीतिक विवाद शुरू हो गया था। इसकी सत्तारूढ़ भाजपा ने कड़ी निंदा की। वहीं राहुल गांधी को कल्याण बनर्जी का वीडियो बनाते देखा गया था।

विपक्षी नेताओं से माफी की मांगः वीरेंद्र सचदेवा

दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, 'संसद लोकतंत्र का मंदिर है। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति कोई व्यक्ति नहीं बल्कि संस्थाएं हैं। उनका मजाक उड़ाना और उनका अनादर करना, उस मंदिर का अपमान करने जैसा है। हम राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं से माफी की मांग करते हैं।'

उनकी जाति का अपमानः धनखड़

धनखड़ ने कहा कि 19 दिसंबर की घटना एक किसान के रूप में उनकी पृष्ठभूमि और उनकी जाति (जाट) का अपमान है। बुधवार को जाट महासंघ ने धनखड़ की मिमिक्री के खिलाफ यहां कांग्रेस मुख्यालय के पास विरोध मार्च निकाला था और पार्टी का पुतला जलाया था।

दिल्ली हाईकोर्ट ने राहुल गांधी से कहा- नाबालिग पीड़िता की पहचान उजागर करने वाली पोस्ट को हटाएं

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सोशल मीडिया से दुष्कर्म और हत्या की शिकार एक नाबालिग पीड़िता की पहचान उजागर करने वाले पोस्ट को हटाने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि अगर हमें पीड़िता की पहचान की रक्षा करनी है तो यह जरूरी है कि यह पूरी दुनिया में किया जाए। पीठ ने राहुल के अधिवक्ता तरन्नुम चीमा से कहा कि आप इसे हटा क्यों नहीं लेते?

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को उनके सोशल मीडिया से वर्ष 2021 में दुष्कर्म और हत्या की शिकार एक नाबालिग पीड़िता की पहचान उजागर करने वाले पोस्ट को हटाने का निर्देश दिया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि पोस्ट को एक्स से हटा दिया गया था, लेकिन फिर भी यह भारत के बाहर लोगों को दिख रहा था।

दुनिया भर से इसे हटना चाहिए- कोर्ट

पीठ ने कहा कि अगर हमें पीड़िता की पहचान की रक्षा करनी है तो यह जरूरी है कि यह पूरी दुनिया में किया जाए। पीठ ने राहुल के अधिवक्ता तरन्नुम चीमा से कहा कि आप इसे हटा क्यों नहीं लेते? कृपया अपना पोस्ट हटा लें, क्योंकि दुनिया भर में इसे हटना चाहिए। मामले की अगली सुनवाई जनवरी में होगी। बता दें कि पोस्ट के बाद राहुल गांधी के अकाउंट को कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया था, लेकिन बाद में इसे बहाल कर दिया गया।

अदालत सामाजिक कार्यकर्ता मकरंद सुरेश म्हादलेकर की वर्ष 2021 की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें एक्स पर पीड़िता के माता-पिता के साथ एक तस्वीर प्रकाशित करके पीड़िता की पहचान उजागर करने के लिए राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई थी।

दिल्ली पुलिस को कोर्ट ने दिया समय

याचिका के जवाब में दिल्ली पुलिस ने कहा कि जांच के आदेश दिए जाने और पोस्ट को भारत में अनुपलब्ध कर दिए जाने के बाद याचिका निरर्थक हो गई है। दिल्ली पुलिस ने पीठ से स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय मांगा। अदालत ने पुलिस को सीलबंद लिफाफे में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया।

दिल्ली सरकार के अधिवक्ता संतोष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि जब तक दुष्कर्म का मुख्य अपराध साबित नहीं हो जाता, तब तक कथित पीड़िता की पहचान प्रकाशित करने का कृत्य अपराध नहीं बनता है और गांधी द्वारा पीड़िता की पहचान उजागर करने के मुद्दे पर जांच चल

Delhi AIIMS में 23 दिसंबर से अवकाश पर रहेंगे 50 प्रतिशत डॉक्टर, दूर-दराज के मरीजों की बढ़ सकती है परेशानी

दिल्ली एम्स में शनिवार से फैकल्टी स्तर के डाक्टरों की सर्दी की छुट्टियां शुरू हो रही है। करीब 50 फीसदी डॉक्टर 10 जनवरी तक अवकाश पर रहेंगे। इस कारण दूसरे राज्यों से फॉलोअप इलाज के लिए एम्स की ओपीडी में पहुंचने वाले मरीजों को फैकल्टी स्तर के डॉक्टर के परामर्श के बगैर वापस लौटना पड़ सकता है। इसलिए पहुंचने से पहले डॉक्टर की उपस्थिति सुनिश्चित कर लें।

नई दिल्ली। एम्स में शनिवार से फैकल्टी स्तर के डॉक्टरों की सर्दी की छुट्टियां शुरू हो रही है, इसलिए शनिवार से दस जनवरी तक एम्स में 50 प्रतिशत फैकल्टी दो चरणों में बारी-बारी से अवकाश पर रहेंगे। लिहाजा, अस्पताल की ओपीडी में इलाज रेजिडेंट डाक्टरों के ही भरोसे रहेगा। इस वजह से दूर दराज से एम्स में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों की मुश्किलें बढ़ सकती है। खास तौर पर दूसरे राज्यों से फॉलोअप इलाज के लिए एम्स की ओपीडी में पहुंचने वाले मरीजों को फैकल्टी स्तर के डाक्टर के परामर्श के बगैर वापस लौटना पड़ सकता है। इसलिए एम्स पहुंचने से पहले मरीज संबंधित डॉक्टर की अस्पताल में उपलब्धता की जानकारी जरूर कर लें।

पहुंचते हैं प्रतिदिन करीब 13 हजार मरीज

एम्स में अभी करीब 840 फैकल्टी हैं। इसमें से करीब आधे डॉक्टर 23 दिसंबर से नौ दिन के लिए अवकाश पर चले जाएंगे। इन डॉक्टरों के एक जनवरी को वापस ड्यूटी ज्वाइन करने के बाद शेष 50 प्रतिशत डॉक्टर दस जनवरी तक अवकाश पर रहेंगे। एम्स की ओपीडी में प्रतिदिन करीब 13 हजार मरीज पहुंचते हैं।

नए मरीज की तुलना में पुराने मरीज अधिक

इसमें नए मरीजों की तुलना में पुराने मरीज अधिक होते हैं। ओपीडी में मरीजों के दबाव के मद्देनजर अस्पताल प्रशासन के निर्देश दिया है कि छुट्टी के दौरान सभी विभागों में फैकल्टी स्तर के 50 प्रतिशत डॉक्टर हर हाल में ड्यूटी पर मौजूद रहेंगे। ताकि मरीजों का इलाज ज्यादा प्रभावित न होने पाएं।

OPD में पहुंचते हैं दूसरे राज्यों से अधिक मरीज

एम्स की ओपीडी में दूसरे राज्यों से अधिक पहुंचते हैं। बहुत मरीज बगैर अप्वाइंटमेंट के भी ओपीडी में पहुंचते हैं। ऐसे में ओपीडी में फैकल्टी स्तर के डॉक्टरों के मौजूद नहीं रहने पर रेजिडेंट डॉक्टर को ही दिखाकर मरीज को वापस लौटना पड़ेगा।

साक्षी मलिक के कुश्ती से संन्यास पर क्या बोले बृजभूषण सिंह? संजय सिंह के WFI प्रेसिडेंट बनने पर महिला पहलवान ने लिया

बृजभूषण शरण सिंह को अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद कुश्ती संघ को नया अध्यक्ष मिल गया है।WFI प्रेसिडेंट के चुनाव में संजय सिंह की जीत के बाद पहलवान साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास का एलान कर दिया है। साक्षी के इस फैसले पर कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह ने कहा कि मुझको इससे क्या लेना-देना है।

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद के चुनाव में संजय सिंह की जीत के बाद गुरुवार को पहलवान साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास का एलान कर दिया है। इधर साक्षी के इस फैसले पर कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह ने कहा कि मुझको इससे क्या लेना-देना है।

कुश्ती संघ को मिला नया अध्यक्ष

बता दें कि बृजभूषण शरण सिंह को अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद कुश्ती संघ को नया अध्यक्ष मिल गया है। भारतीय कुश्ती संघ अध्यक्ष के चुनाव में बृजभूषण के करीबी संजय सिंह ने जीत दर्ज की है। उन्होंने अनीता श्योराण को मुकाबले में कड़ी टक्कर देते हुए शिकस्त दी है। वहीं देवेंद्र कादियान संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुने गए हैं।

चुनाव के बाद क्या बोले बृजभूषण

चुनाव के बाद बृजभूषण सिंह ने कहा कि मैं जीत का श्रेय देश के पहलवानों और WFI के सचिव को देना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है कि नई फेडरेशन के गठन के बाद कुश्ती प्रतियोगिताएं फिर से शुरू होंगी। वहीं, साक्षी मलिक के फैसले पर उन्होंने कहा कि मुझे इससे क्या लेना-देना है।

साक्षी मलिक ने कुश्ती से लिया संन्यास

संजय सिंह के कुश्ती संघ अध्यक्ष बनने पर पहलवान साक्षी मलिक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि हम 40 दिनों तक सड़कों पर सोए और देश के कई हिस्सों से बहुत सारे लोग हमारा समर्थन करने आए। अगर बृजभूषण सिंह के बिजनेस पार्टनर और करीबी सहयोगी इस फेडरेशन में रहेगा, तो मैं अपनी कुश्ती को त्यागती हूं।

> “ बता दें कि बृजभूषण शरण सिंह को अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद कुश्ती संघ को नया अध्यक्ष मिल गया है। भारतीय कुश्ती संघ अध्यक्ष के चुनाव में बृजभूषण के करीबी संजय सिंह ने जीत दर्ज की है। उन्होंने अनीता श्योराण को मुकाबले में कड़ी टक्कर देते हुए शिकस्त दी है। वहीं देवेंद्र कादियान संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुने गए हैं।

श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर पवनानंद गिरी जी द्वारा अयोध्या के सरजू तट पर 14 से 25 फरवरी तक यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है

आईआईटी दिल्ली के टैलेंट पर फिदा हुईं दुनियाभर की कंपनियां, कैंपस प्लेसमेंट में इतने छात्रों की नौकरी हुई पक्की

परिवहन विशेष न्यूज

आईआईटी दिल्ली में शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए प्लेसमेंट के पहले चरण में छात्रों को प्री-प्लेसमेंट ऑफर (पीपीओ) सहित लगभग 1050 नौकरी के ऑफर मिले हैं। पहले चरण के समाप्त होने पर करीब एक हजार छात्रों को यूनिक ऑफर प्राप्त हुए हैं। कोर सेक्टर ने पिछले वर्षों की तुलना में अधिक छात्रों को चुना है। प्लेसमेंट का दूसरा चरण जनवरी में शुरू होगा।

दक्षिणी दिल्ली। आईआईटी दिल्ली में शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए प्लेसमेंट के पहले चरण में छात्रों को प्री-प्लेसमेंट ऑफर (पीपीओ) सहित लगभग 1050 नौकरी के ऑफर मिले हैं। पहले चरण के समाप्त होने पर करीब एक हजार छात्रों को यूनिक ऑफर प्राप्त हुए हैं। 20 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से छात्रों को पीपीओ सहित 50 से अधिक अंतरराष्ट्रीय ऑफर प्राप्त हुए हैं।

ऑफर देने वाली कंपनियां हांगकांग, जापान, नीदरलैंड, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, ताइवान, संयुक्त अरब अमीरात, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका में हैं। करियर सर्विस ऑफिस के प्रभारी प्रोफेसर आर. आयोथिरामन ने कहा कि पहले चरण में नौकरी की पेशकश करने वाले शीर्ष कंपनियों में एयर इंडिया, माइक्रोसॉफ्ट, टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स, गोल्डमैन, बजाज ऑटो और ओला इलेक्ट्रिक शामिल हैं।

पिछले वर्षों की तुलना में अधिक छात्रों का चयन

उन्होंने कहा कि छात्रों ने प्लेसमेंट के पहले चरण में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। पहले चरण में 42 फीसदी कोर टेक्निकल, 22 फीसदी इन्फॉरमेंशन टेक्नोलॉजी, 11 फीसदी कंसल्टिंग, 9 फीसदी मैनेजमेंट, 9 फीसदी एनालिटिक्स, 6 फीसदी फाइनेंस और 1 फीसदी टीचिंग एंड रिसर्च के क्षेत्र में प्लेसमेंट हुआ है। औद्योगिक संपर्क अधिकारी डॉ. अनिश्या ओ. मदन ने बताया कि कोर सेक्टर ने पिछले वर्षों की तुलना में अधिक छात्रों को चुना है। प्लेसमेंट का दूसरा चरण जनवरी में शुरू होगा।

'आप की बढ़ती लोकप्रियता को रोकने की कोशिश', आतिशी ने कहा- भारत के इतिहास में किसी की इतनी जांच नहीं हुई

ईडी की जांच को लेकर आतिशी ने आरोप लगाया कि ईडी दो साल से इस मामले की जांच कर रही है। भारत के इतिहास में किसी अन्य नीति की इतनी जांच नहीं हुई हैं जितनी दिल्ली शराब पॉलिसी की हुई है। आतिशी की ओर से आगे दावा किया गया कि आम आदमी पार्टी के नेताओं से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी के बावजूद ईडी को कोई सबूत नहीं मिला।

नई दिल्ली। मंत्री आतिशी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि शराब पॉलिसी से जुड़े मामले में ईडी की जांच आम आदमी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता को रोकने का प्रयास है। वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ईडी के समन को नजर अंदाज करते हुए 10 दिन के विपश्यना शिविर के लिए चले गए।

विपक्ष की आवाज को दबाना चाहते- AAP

अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को ईडी के समन पर कहा कि ये राजनीति से प्रेरित है। यह विपक्ष की आवाज को दबाना चाहते हैं। आतिशी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईडी को लेकर आरोप लगाया कि ईडी दो साल से इस मामले की जांच कर रही है। भारत के इतिहास में किसी अन्य नीति की इतनी जांच नहीं हुई हैं, जितनी दिल्ली शराब पॉलिसी की हुई है।

जांच एजेंसी को नहीं मिला एक पैसा- आतिशी

आतिशी की ओर से आगे दावा किया गया कि आम आदमी पार्टी के नेताओं से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी के बावजूद ईडी को कोई सबूत नहीं मिला। उन्होंने दावा किया कि दो साल की जांच के बाद भी सीबीआई या ईडी को गलत तरीके से अर्जित धन का एक पैसा भी नहीं मिला।

अब अरविंद केजरीवाल को बनाया जा रहा निशाना

दिल्ली की मंत्री ने आरोप लगाया कि ईडी ने मनीष सिसौदिया (पूर्व डिप्टी सीएम) के आवास, कार्यालयों और अन्य स्थानों पर छापेमारी की, लेकिन कुछ नहीं मिला। फिर भी उन्होंने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

देश में कोरोना ने फिर बढ़ाई टेंशन, गाजियाबाद के बाद नोएडा में मिला कोविड संक्रमित

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा सेक्टर-36 में रहने वाले एक व्यक्ति व्यक्ति जांच के दौरान कोरोना पॉजिटिव मिला है। नेपाल से लौटे से व्यक्ति ने प्राइवेट लैब में कोरोना संक्रमण के लक्षण दिखने पर जांच के लिए नमूने दिए थे। जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से व्यक्ति से संपर्क कर होम आइसोलेशन की गाइडलाइन के साथ कोविड प्रोटोकाल का पालन करने की सलाह दी गई है।

नोएडा। नोएडा सेक्टर-36 में रहने वाले एक व्यक्ति व्यक्ति जांच के दौरान कोरोना पॉजिटिव मिला है। नेपाल से लौटे से व्यक्ति ने प्राइवेट लैब में कोरोना संक्रमण के लक्षण दिखने पर जांच के लिए नमूने दिए थे। जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से व्यक्ति से संपर्क कर होम आइसोलेशन की गाइडलाइन के साथ कोविड प्रोटोकाल का पालन करने की सलाह दी गई है।

दक्षिण भारतीय राज्यों के बाद अब उत्तर में भी बढ़ा कोरोना

वहीं केरल समेत दक्षिण भारत के दूसरे राज्यों में कोरोना के केस बढ़ने के बाद विभाग की ओर से सतर्कता बरती जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक गुरुग्राम स्थित एमएनसी में काम करने वाला एक व्यक्ति कंपनी की निर्देशन पर नेपाल गया था। करीब एक सप्ताह पूर्व नेपाल से लौटने पर कोविड जांच कराई थी।

पहली रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इस कारण दूसरी बार 18 दिसंबर को नमूना दिया था। दूसरी रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। हालांकि व्यक्ति होम आइसोलेशन में है।

विभाग की ओर से पाजिटिव व्यक्ति से संपर्क कर कोरोना के इस्तेमाल में जरूरी दवा भिजवाने की पेशकश की गई थी, लेकिन व्यक्ति ने विभाग से किसी भी प्रकार की दवा लेने से इनकार किया है।

व्यक्ति का कहना है कि वह पहले से डॉक्टर की सलाह पर दवा ले रहा है। हालांकि एहतियात के तौर पर विभाग की ओर से व्यक्ति के नमूने की जिनोम सीक्वेंसिंग जांच के लिए नमूने को लखनऊ स्थित केजीएमयू भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला अस्पताल में बढ़ाई गई सैंपलिंग

विभाग की ओर से कोरोना सैंपलिंग एक बार फिर से बढ़ा दी गई है। बृहस्पतिवार को जिला अस्पताल में 30 से अधिक संदिग्धों की जांच की गई है। ज्यादातर जांच में आइएलआइ के मरीज शामिल रहे।

पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. अमित कुमार का कहना है कि फ्लू, वायरल ओपीडी में श्वसन तंत्र में संक्रमण (एसएआरआइ) और इन्फ्लूएंजा लाइक इलनेस (आइएलआइ) के मरीज की कोविड जांच प्राथमिकता पर करने के निर्देश जारी किए हैं। इसको लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं।

पॉजिटिव नमूनों को जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए केजीएमयू में भेजने का निर्देश मिला है। मरीजों को कोविड प्रोटोकाल का पालन करने की सलाह दी जा रही है।

> “ स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक गुरुग्राम स्थित एमएनसी में काम करने वाला एक व्यक्ति कंपनी की निर्देशन पर नेपाल गया था। करीब एक सप्ताह पूर्व नेपाल से लौटने पर कोविड जांच कराई थी। पहली रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इस कारण दूसरी बार 18 दिसंबर को नमूना दिया था। दूसरी रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। हालांकि व्यक्ति होम आइसोलेशन में है।

सर मुझे माफ कर दीजिए! जब सफाई व्यवस्था देखने पहुंचे सीएम मनोहर, कोताही पर किसी को नहीं बख्शा; दे डाली सजा

परिवहन विशेष न्यूज

मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को स्वयं गुरुग्राम शहर की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था दुरुस्त न होने पर कन्हई रोड. पर सफाई व्यवस्था देख रही एजेंसी पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। इतना ही नहीं सफाई कर्मचारियों के सुपरवाइजर से लेकर संयुक्त आयुक्त व आयुक्त तक पर मुख्यमंत्री ने जुर्माना लगाया। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

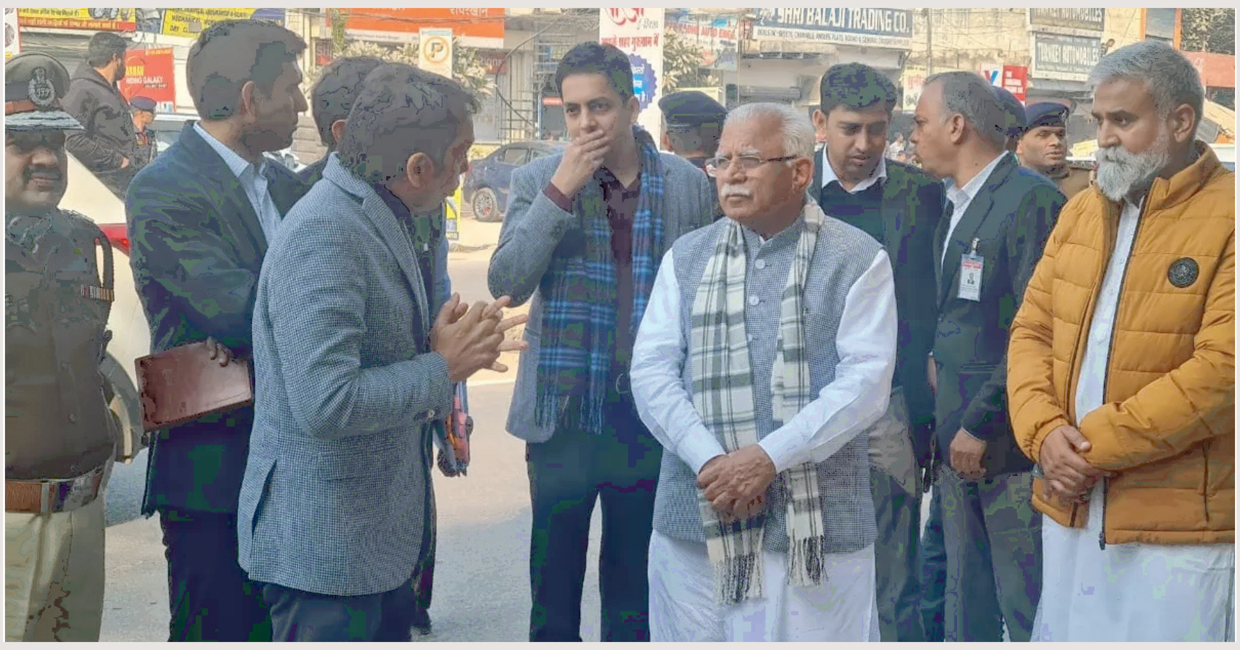

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल प्रदेशभर में सफाई व्यवस्था को लेकर एक्शन में हैं। लगभग एक सप्ताह पहले जिला उपायुक्तों, जिला नगर आयुक्तों, नगर निगम आयुक्तों व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री ने शहरों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए थे।

उन्होंने कहा था कि वे स्वयं या अलग-अलग टीमें शहरों में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण करेंगी। मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को स्वयं गुरुग्राम शहर की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण करने पहुंचे थे।

इस दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था दुरुस्त न होने पर कन्हई रोड. पर सफाई व्यवस्था देख रही एजेंसी पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। इतना ही नहीं, सफाई कर्मचारियों के सुपरवाइजर से लेकर संयुक्त आयुक्त व आयुक्त तक पर मुख्यमंत्री ने जुर्माना लगाया।

सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखना प्रशासन की जिम्मेदारी

उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है, किसी प्रकार की ढिलाई सहन नहीं की जाएगी। नागरिकों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध करवाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

वरिष्ठ अधिकारियों की और अधिक जिम्मेदारी बन जाती है तथा लापरवाही के चलते ही सांकेतिक तौर पर इन अधिकारियों पर जुर्माना लगाने का निर्णय लिया गया है, हालांकि गुरुग्राम शहर बड़ा है और दी गई अवधि में सफ़ाई का काफी कार्य हुआ भी है लेकिन इसे संतोषजनक नहीं कहा जा सकता।

उन्होंने स्वच्छता सामान की खरीद के लिए गुरुग्राम नगर निगम को ₹1 करोड़ सीएसआर फण्ड से देने की घोषणा भी की। सीएम मनोहर लाल ने नगर निगम के आयुक्त का 15 दिन का वेतन काटने, संयुक्त आयुक्त का 1 माह का वेतन काटने के निर्देश दिए।

साथ ही उन्होंने सफाई कर्मियों के सुपरवाइजर पर 10 रुपये, फील्ड ऑफिसर अजय कुमार पर 1,000 रुपये, एडिशनल सेनेटरी इंस्पेक्टर पर 2,000 रुपये, सीनियर सेनेटरी इंस्पेक्टर पर 3,000 रुपये तथा जॉन -2 के ज्वाइंट कमिश्नर संजीव सिंगला पर 5000 रुपये का जुर्माना भी लगाने के निर्देश दिए।

अगले तीन दिन में सफाई कर्मियों की सैलरी जारी करने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने औचक निरीक्षण करते हुए कहा कि शहरों में सफाई व्यवस्था रखने में सफाई कर्मियों का अहम योगदान है। उन्हें समय पर वेतनमान मिले, यह प्रशासन की जिम्मेवारी है। पालम विहार क्षेत्र के सफाईकर्मियों ने वेतन नहीं मिलने की बात सीएम के सामने रखी, जिस पर उन्होंने अधिकारियों को अगले तीन दिनों में उनका वेतन जारी करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी एक सप्ताह में शहर की सफाई व्यवस्था में गुणात्मक सुधार करें। अधिकारी समय-समय पर मौके पर जाकर सफाई व्यवस्था की चेकिंग भी करें।साथ ही कहा कि वे एक महीने बाद इसी प्रकार फिर से सफ़ाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण करेंगे।

इस मौके पर हरियाणा सरकार के प्रधान सलाहकार शहरी विकास डी एस ढेसी, जिला नगर आयुक्त पीसी मीणा, पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा, जिला उपायुक्त निशांत यादव, डीसीपी वीरेंद्र विज व भूपेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

अवैध रूप से बनीं 100 झुग्गियों पर चला बुलडोजर, नगर निगम की टीम पर पथराव; कई घायल

गाजियाबाद में गुरुवार को अवैध रूप से बनी सौ झुग्गियों को तोड़ने पहुंची नगर निगम की टीम पर बृहस्पतिवार को पथराव किया गया। एक जेसीबी को क्षतिग्रस्त कर दिया गया पथराव में नगर निगम के तीन कर्मचारी चोटिल हुए। विरोध के बावजूद नगर निगम की टीम ने झुग्गियों को हटा दिया। पथराव करने वालों के खिलाफ कविनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करने के लिए तहरीर दी गई है।

गाजियाबाद। कविनगर जोन में विवेकानंद नगर आरओबी के पास रेलवे लाइन किनारे अवैध निर्माण पर निगम का बुलडोजर चला। इस दौरान अवैध रूप से बनी सौ झुग्गियों को तोड़ने पहुंची नगर निगम की टीम पर बृहस्पतिवार को पथराव किया गया।

एक जेसीबी को क्षतिग्रस्त कर दिया गया, पथराव में नगर निगम के तीन कर्मचारी चोटिल हुए। विरोध के बावजूद नगर निगम की टीम ने झुग्गियों को हटा दिया और पथराव करने वालों के खिलाफ कविनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करने के लिए तहरीर दी गई है।

वैश्विक लोकप्रियता के साथ ही विश्वसनीयता में भी सबसे आगे हैं पीएम नरेंद्र मोदी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देखा जाये तो नरेन्द्र मोदी का एग्रेसिव रवैया ही उनकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। कठोर से कठोर और कड़े से कड़े निर्णय भी एक झटके में लेने की क्षमता और मोव को अपने पक्ष में करने क्षमता ही नरेन्द्र मोदी का लोकप्रियता के शिखर पर पंहुचाती है।

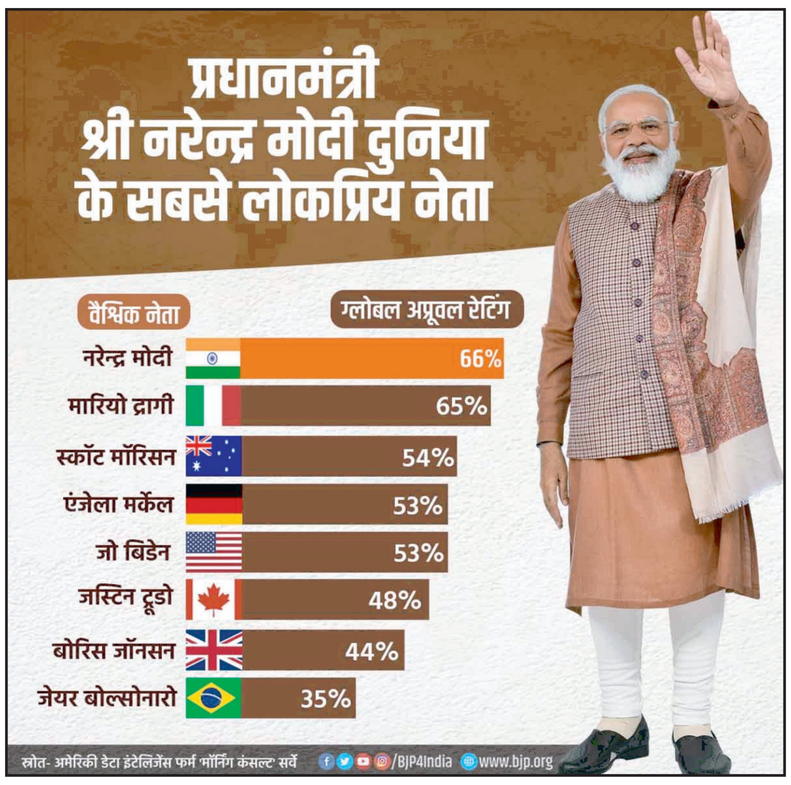

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर विरोधियों द्वारा लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये जाते रहे हो पर इसमें कोई दो राय नहीं कि आज की तारीख में लोकप्रियता में दुनिया के दिग्गज नेताओं में शीर्ष पर कोई नेता है तो वह भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन या रुस के पुतिन हो या अमेरिका के ही पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता के आसपास भी नहीं टिकते है। अमेरिका की कंसल्टेंसी फर्म मार्निंग कंसल्ट द्वारा इसी माह की शुरुआत में करवाये गए सर्वे में यह साफ हो गया है कि सर्वे में हिस्सा ले रहे दुनिया के देशों के लोगों में 76 फीसदी लोगों की पंहली पसंद नरेन्द्र मोदी रहे हैं। लोकप्रियता में नकारने वाले भी केवल 18 फीसदी ही है जबकि 6 फीसदी ने अपनी कोई राय उजागर नहीं की है। इससे पहले अमेरिकी थिंक टेंक प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार देश के 10 में से 8 व्यक्ति नरेन्द्र मोदी के प्रति सकारात्मक राय रखते हैं। यानी कि देश के 80 फीसदी लोग नरेन्द्र मोदी में विश्वास रखते हैं। 55 फीसदी लोगों की पहली पंसद नरेन्द मोदी है। देश की केवल 20 फीसदी आबादी नरेन्द्र मोदी को पसंद नहीं करती है। लोकप्रियता की सूची में मजे की बात यह है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन इस लोकप्रियता की श्रेणी में 8 वें पायदान पर हैं।

दरअसल विश्वव्यापी लोकप्रियता अर्जित करना कोई सामान्य बात नहीं होती है। हमारे देश के लिए तो यह और भी गर्व की बात हो जाती है कि हमारे नेता की लोकप्रियता दुनिया में पहले पायदान पर है। मजे की बरत यह है कि लोकप्रियता के साथ ही विश्वसनीयता में भी सबसे आगे हैं। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि लोकप्रियता में अव्वल आना इस मायने में बड़ी बात हो जाती है कि 76 फीसदी को मतलब साफ है कि यह लोकप्रियता का कोई मामूली आंकड़ा नहीं है अपितु लोकप्रियता के दूसरे पायदान पर रहे मैक्सिकों के राष्ट्रपति एन्ड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर से पूरे दस प्रतिशत अधिक है। यानी कि नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का आंकड़ा 76 फीसदी है तो दूसरे पायदान पर रहे मैक्सिको के राष्ट्रपति की लोकप्रियता का आंकड़ा 66 फीसदी यानी कि दस फीसदी कम है। सूची के अनुसार तीसरे पायदान पर स्विट्जरलैंड, चौथे पर ब्राजील, पांचवें पर आस्ट्रेलिया और छटे पायदान पर इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी रही है। मेलोनी जिसको लेकर पिछले दिनों सोशियल मीडिया पर एक से एक मीम्स चलाये जा रहे थे उनके और नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता में पूरे 35 फीसदी का अंतर है।

देखा जाये तो नरेन्द्र मोदी का एग्रेसिव रवैया ही उनकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। कठोर से कठोर और कड़े से कड़े निर्णय भी एक झटके में लेने की क्षमता और मोव को अपने पक्ष में करने क्षमता ही नरेन्द्र मोदी का लोकप्रियता के शिखर पर पंहुचाती है। वैश्विक सम्मेलनों और मंचों पर ऐसा लगता है जैसे दुनिया के देशों का नेतृत्व नरेन्द्र मोदी ही कर रहे हो। बॉडी लैंग्वेज ही ऐसी कि लगता यही है कि जैसे आज की तारीख में विश्व के नेताओं के कोई लीडर दिखाई देते है तो वह नरेन्द्र मोदी ही लगते हैं। भले ही इतर राय रखने वाले कुछ भी कहे या कुछ भी मनोभाव रखे पर अभी तो जो कुछ दिख रहा है वह साफ है और नरेन्द्र मोदी की सर्वमान्य नेता के रुप में भी प्रतिस्थापित करता है। अब मोदी विरोधी इसका कारण मोदी की एग्रेसिव मार्केटिंग, मीडिया मैनेजमेंट, तथ्यों के साथ तोड़ मरोड़ या कुछ भी कहे पर अंततोगत्वा जो दिख रहा है या जो सर्वे रिपोर्टस में आ रहा है या जैसा देशवासी अनुभव कर रहे हैं उसे सिरे से नकारा नहीं जा सकता। अब इस यों भी समझा जा सकता है कि कश्मीर में धारा 370 को समाप्त करने का निर्णय और दुनिया के देशों द्वारा उफ भी नहीं करना अगले की कूटनीतिक क्षमता को सिद्ध करता है। पाकिस्तान और चीन को अलग थलग करना हो या फिर रुस यूक्रेन युद्ध या इजरायल हमास युद्ध कहीं भी नरेन्द्र मोदी की विदेश नीति को लेकर किसी तरह का विवाद नहीं हुआ। विरोधी देशों के संकट के दौरान सहायता में सबसे आगे रहना, अरब देषों को भी भारत के पक्ष में बनाये रखना, अमेरिका और रुस दोनों को ही साधे रहना अपने आप में बड़ी बात है। कोरोना दौर में भारतीय वैक्सीन के माध्यम से दुनिया के देशों के मानव इतिहास के सबसे बड़े संकटकाल में सहभागी के रुप में आगे आना लोकप्रियता और विश्वसनीयता बनाए रखने की बड़ी सफलता है। अमेरिका में ओबामा फिर ट्रम्प और अब जो बाइडन काल में भी समान अधिकार के साथ संबंध बनाए रखना बड़ी बात है। पाकिस्तान को दुनिया के देशों से अलग थलग करना तो मोदी के लिए मामूली बात सिद्ध हुई है।

दरअसल आज के दौर में वैश्विक नेता के लिए बोल्ड होने, एग्रेसिव होने, कठोर व त्वरित निर्णय लेने वाले नेता लोगों की पसंद बनते जा रहे हैं। अच्छे बुरे परिणाम की चिंता कर निर्णय की उहापोह में फंसे नेता आज के लोगों की पसंद हो ही नहीं सकते। इसका बड़ा कारण दुनिया में वैश्विक संकटों का दौर चलना है। संकटों के दौर में लोगों का यह मानना रहता है कि हमें आलोचना प्रत्यालोचना या आगा पीछा सोच कर निर्णय लेने वाला नहीं अपितु त्वरित और कठोर निर्णय लेने वाला नेता चाहिए। और इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी इस पर खरे उतरे हैं।

सेफ्टी रेटिंग के कारण बढ़ी टाटा से लेकर महिंद्रा तक के टॉप गाड़ियों की सेल, यहां पढ़ें अधिक डिटेल्स

भारत में हर साल हजारों की संख्या में दुर्घटना होती है। जिसके कारण कुछ लोगों की मौत हो जाती है और कुछ ठीक भी हो जाते हैं। इस समय मार्केट में टाटा मोटर्स और महिंद्रा भारत में मास मार्केट सेगमेंट में सबसे सुरक्षित कार बनाने वाली कंपनी बन गई है। टाटा अल्ट्रोज भारतीय बाजार में प्रीमियम हैचबैक कार में से एक है।

नई दिल्ली। भारत उन शीर्ष देशों में से एक है जहां पर हर साल सड़क दुर्घटनाओं की चिंताजनक संख्या दर्ज की जाती है। आज के समय में जो लोग अपने लिए एक नई कार खरीदने जाते हैं वो कार माइलेज, फीचर्स और सेफ्टी के बारे में जानते हैं। भारत में हर साल हजारों की संख्या में दुर्घटना होती है। जिसके कारण कुछ लोगों की मौत हो जाती है और कुछ ठीक भी हो जाते हैं। इसके कारण सरकार भी काफी सख्त भी हो गई है।

इस समय मार्केट में टाटा मोटर्स और महिंद्रा भारत में मास मार्केट सेगमेंट में सबसे सुरक्षित कार बनाने वाली कंपनी बन गई है। क्या आप भी अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आज हम आपके लिए मार्केट में मौजूद सुरक्षित कारों की डिटेल्स लेकर आए हैं।

Tata Altroz

टाटा अल्ट्रोज भारतीय बाजार में प्रीमियम हैचबैक कार में से एक है। जनवरी 2020 में इस कार को ग्लोबल NCAP क्रैश टेस्ट में पांच स्टार सुरक्षा रेटिंग मिली है। इसने FY2020 में 8,458 यूनिट्स की सेल की है। जबकि कार ने FY2021 और FY2022 में क्रमश 60,379 यूनिट्स और 62,247 यूनिट्स की सेल की है। पिछले वित्त वर्ष में इस प्रीमियम हैचबैक की 57,819 यूनिट्स बिकीं।

Mahindra XUV300

भारतीय बाजार में सबसे अधिक मांग वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में महिंद्रा एक्सयूवी300 है। जनवरी 2020 में ग्लोबल NCAP क्रैश टेस्ट में फाइव-स्टार रेटिंग मिलने के बाद XUV300 की बिक्री बढ़ गई है। एसयूवी ने FY2020 में 37,576 यूनिट्स दर्ज कीं, जबकि अगले वित्तीय वर्षों में, इसने पिछले वित्तीय वर्ष तक 35,965 यूनिट्स, 50,260 यूनिट्स और 60,968 यूनिट्स की सेल की है।

Tata punch

टाटा भारतीय बाजार में सबसे अधिक कारों की सेल करने वाली कंपनी में से एक है। टाटा मोटर्स की माइक्रो एसयूवा पंच की बिक्री में सुधार देखने को मिला है। FY2021 में इसकी 52,698 यूनिट्स बिकीं, जबकि अक्टूबर 2021 में फाइव-स्टार रेटिंग मिलने के बाद FY2022 में इसकी बिक्री बढ़कर 52,716 यूनिट्स और FY2023 में 99,750 यूनिट्स की हो गई है।

Mahindra XUV700

महिंद्रा की एक और कार फाइव-स्टार ग्लोबल NCAP सुरक्षा रेटिंग वाली है। इसे नवंबर 2022 में जीएनसीएपी से पांच सितारा रेटिंग प्राप्त हुई, जिससे वित्त वर्ष 2022 में इसकी बिक्री संख्या बढ़कर 66,473 इकाई हो गई। वहीं पिछले वित्त वर्ष में 25,261 यूनिट्स की थी। FY2023 में, SUV की 63,123 यूनिट्स की सेल की गई।

ऑडी इंडिया ने लगाया देश का पहला अल्ट्रा फास्ट चार्जिंग प्वाइंट, मार्च 2024 तक होगी फ्री चार्जिंग

Audi India और ChargeZone ने 450 किलोवाट की क्षमता वाले भारत के पहले अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया है। नया आरई-संचालित अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन शहर के सभी ईवी मालिकों के लिए उपलब्ध होगा। ऑडी इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों को मार्च 2024 तक मुफ्त चार्जिंग का लाभ मिलेगा। ऑडी इंडिया ने मायऑडी कनेक्ट मोबाइल पर ई-ट्रॉन हब भी बनाया है जो अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करेगा।

नई दिल्ली। Audi India और ChargeZone ने 450 किलोवाट की क्षमता वाले भारत के पहले अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया है। पहला आरई-संचालित अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में स्थित है और 500 Amp लिक्विड-कूल्ड गन द्वारा सक्षम इलेक्ट्रिक वाहन को 360 किलोवाट तक बिजली प्रदान कर सकता है। आइए, इसके बारे में जान लेते हैं।

मार्च 2024 तक होगी फ्री चार्जिंग

नया आरई-संचालित अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन शहर के सभी ईवी मालिकों के लिए उपलब्ध होगा। ऑडी इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों को मार्च 2024 तक मुफ्त चार्जिंग का लाभ मिलेगा। इसके अलावा, ऑडी ई-ट्रॉन मालिकों को स्टेशन पर अपनी कारों को चार्ज करने पर स्टारबक्स से कॉफी वाउचर भी मिलेगा।

कंपनी का कहना है कि इन चार्जिंग स्टेशनों को किसी भी सहायता के लिए उपलब्ध प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा संचालित किया जाएगा, जबकि ईवी मालिकों के लिए अपने वाहन को प्लग इन करने के दौरान आराम करने के लिए एक लाउंज भी होगा।

ई-ट्रॉन हब से खोजें चार्जिंग स्टेशन

ऑडी इंडिया ने मायऑडी कनेक्ट मोबाइल पर 'ई-ट्रॉन हब' भी बनाया है जो अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करेगा। नया ऐप बड़े पैमाने पर ईवी खरीदारों के लिए ग्राहक-केंद्रित जानकारी प्रदान करता है और पांच भागीदारों - आर्गो ईवी स्मार्ट, चार्ज जोन, रिलक्स इलेक्ट्रिक, लायनचार्ज और जोन चार्जिंग द्वारा चार्जिंग स्टेशन भी दिखाएगा।

ऑडी इंडिया ने देश के 73 शहरों में 140 से अधिक चार्जर स्थापित किए हैं, जो कंपनी के डीलरशिप और सर्विस सेंटरों और चुनिंदा स्कोडा वोक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (SAVWIPL) समूह डीलरशिप तक फैले हुए हैं। ऐप पर ऑडी ई-ट्रॉन मालिकों के लिए 1,000 से अधिक चार्जपॉइंट उपलब्ध हैं, आने वाले महीनों में और भी जोड़े जाएंगे।

महिंद्र बोलेरो न्यू को खरीदने का शानदार मौका, एसयूवी पर बंपर छूट; 99,500 रुपये तक की होगी बचत

वाहन निर्माता कंपनी अपनी एसयूवी पर बंपर छूट दे रही है। बोलेरो नियो जिसकी डिमांड गांव से लेकर शहर तक में अधिक है। अगर आप इस कार को खरीदना चाहते हैं तो अपने करीबी शोरूम पर जाकर इसके बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें फीचर्स के तौर पर ड्राइवर आर्मरेस्ट मिडिल-रो सेंटर आर्मरेस्ट इलेक्ट्रिक एडजस्ट विंग मिरर मिलता है।

दिल्ली। देश में त्यौहारी सीजन आ चुका है, ऐसे में अगर आप अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो महिंद्रा आपको शानदार मौका दे रही है। वाहन निर्माता कंपनी अपनी एसयूवी पर बंपर छूट दे रही है। बोलेरो नियो जिसकी डिमांड गांव से लेकर शहर तक में अधिक है। वर्तमान में कंपनी ने एसयूवी को कुल चार वेरिएंट्स N4, N8, N10 और N10(O) में पेश किया है, जिसकी कीमत 9.64 लाख रुपये से शुरू होती है।

Mahindra Bolero Neo वेरिएंट वाइज ऑफर

महिंद्रा बोलेरो नियो पर वेरिएंट वाइज छूट- N4 पर कंपनी कुल 59 हजार रुपये तक की छूट दे रही है। वहीं इसके N8 पर 64,500 रुपये तक की छूट मिल रही है। N10 पर 99,500 रुपये तक की छूट मिल रही है। इतना ही नहीं इसके N10(O) पर कंपनी 99,500 रुपये तक की छूट मिल रही है। आपकी जानकारी के लिए बता दें, ये ऑफर 30 नवंबर तक की वैलिड है। ये ऑफर कोलकाता, पश्चिम बंगाल और सिक्किम क्षेत्र में ही सीमित है। अगर आप इस कार को खरीदना चाहते हैं तो अपने करीबी शोरूम पर जाकर इसके बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

Mahindra Bolero Neo इंजन

इंजन की बात करें तो बोलेरो नियो बीएस 6 चरण 2-अनुपालक 1.5-लीटर डीजल इंजन के साथ आता है। इसे पांच -स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के माध्यम से पीछे के व्हील पर पावर भेजी जाती है। जो 100bhp और 260Nm का टॉर्क जनरेट करता है। ये ऑफ रोडिंग के लिए काफी बेहतर है।

Mahindra Bolero Neo फीचर्स

इसमें फीचर्स के तौर पर स्टैटिक बेंडिंग हेडलैंप, एलईडी डीआरएल, अलॉय व्हील, 7 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ड्राइवर सीट हाइट एडजस्ट, ड्राइवर और को-ड्राइवर आर्मरेस्ट, मिडिल-रो सेंटर आर्मरेस्ट, इलेक्ट्रिक एडजस्ट विंग मिरर मिलता है। क्रूज़ कंट्रोल और आइसोफिक्स चाइल्ड सीट एंकर भी इस एसयूवी के टॉप मॉडल में देखने को मिल जाता है।

7 सीटर कार खरीदने की कर रहे हैं तैयारी, थोड़ा और कर लीजिए सब्र! 2024 में आने वाली हैं ये धांसू गाड़ियां

आज हम आपके लिए 2024 में आने वाली 7 सीटर गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं। Hyundai Alcazar को कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। ये कार कई अपडेट फीचर्स के साथ आने वाली है। इसके साथ ही Nissan X-Trail नई ई पावर रेंज एक्सटेंड तकनीक और एक्स -ट्रेल के माध्यम से मार्केट में आ सकती है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में कई दमदार कारें मौजूद है। अगर आप अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आने वाले दिनों में कई गाड़ियां लॉन्च होने वाली है। क्योंकि आज हम आपके लिए 2024 में आने वाली 7 सीटर गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं। चलिए देखते हैं इनमें क्या कुछ खास है और ये कब तक लॉन्च होंगी।

Hyundai Alcazar

Hyundai Alcazar को कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। ये कार कई अपडेट फीचर्स के साथ आने वाली है। इसमें पिछले मॉडल के मुकाबले कई कॉस्मेटिक बदलाव होने वाला है। इंटीरियर में लेवल 2 ADAS मिल सकता है। Alcazar को पहले की तरह नए 1.5 लीर पेट्रोल मिल के साथ सेल किया जाएगा।

Nissan X-Trail

आपकी जानकारी के लिए बता दें, नई निसान एक्स -ट्रेल ने पिछले साल नई दिल्ली में ही अपनी शुरुआत की थी । इसकी रोड टेस्टिंग कई बार की गई है। ये कार यूरोप में 5 और 7 सीट के ऑप्शन में आती है। ये नई ई पावर रेंज एक्सटेंड तकनीक और एक्स -ट्रेल के माध्यम से मार्केट में आ सकती है।

5-Door Force Gurkha

फोर्स मोटर्स भारतीय बाजार में जल्द लॉन्च हो सकती है। इसे कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। ये एक ऑफ रोड कार होगी। ये महिंद्रा थार और जिम्नी को टक्कर देगी। ये कार अगले साल कभी भी लॉन्च हो सकती है।

5 Door Mahindra Thar

भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी जिम्नी को टक्कर देने के लिए महिंद्रा 5 डोर थार को जल्द ही लॉन्च करेगी। इस एसयूवी का व्हीलबेस काफी लंबा होगा इतना ही नहीं ये 3 डोर वाली थार से कई दमदार फीचर्स से लैस होगी। लेकिन डिजाइन में मामूली बदलाव ही होगा।

Mahindra Bolero Neo Plus

महिंद्रा की एक और गाड़ी मार्केट में अगले साल तक लॉन्च होने वाली है। आने वाले महीनों में बोलेरो नियो प्लस लॉन्च करेगी। इसे TUV300 प्लस का नए वेरिएंट के कई सिंटिग लेआउट में सेल किया जाएगा। यह 2.2L चार-सिलेंडर टर्बो डीजल इंजन से लैस होगी। इसे 6 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा जाएगा।

अपने सपने बड़े करो

पीके खुराना

जीवन में हर व्यक्ति सफल होना चाहता है। जो कदरन कम सफल है, वह सफलता के सपने देखता है, अमीरी के सपने देखता है, खुशियों से भरपूर जीवन के सपने देखता है। सपनों से प्रेरणा मिलती है और आदमी कुछ कर दिखाता है।

संतुलित डर और आत्मविश्वास का मेल आपकी सफलता को सुनिश्चित करता है, क्योंकि वह आपके इरादे को पक्का करता है और आरंभिक छोटी-बड़ी कठिनाइयों और असफलताओं से घबराए बिना आगे चलने की प्रेरणा देता है। यही हमारी सफलता का राज है। इसीलिए मैं दोहरा कर कहता हूं कि सफलता का सबसे बड़ा कारक है पक्का इरादा और विपरीत स्थितियों में भी अपना सपना सच करने की लगन। तो आइए, सपने देखें, बड़े सपने देखें और सफल होकर दिखाएं'

जीवन में हर व्यक्ति सफल होना चाहता है। जो कदरन कम सफल है, वह सफलता के सपने देखता है, अमीरी के सपने देखता है, खुशियों से भरपूर जीवन के सपने देखता है। सपनों से प्रेरणा मिलती है और आदमी कुछ कर दिखाता है। सपने देखना अच्छी बात है, कल्पनाशील होना अच्छी बात है, आगे बढ़ने की तमन्ना रखना अच्छी बात है। जानवर ताकतवर होते हैं, पर वे आगे बढ़ने के सपने नहीं देखते, उनकी सारी जद्दोजहद खुद को बचाए रखने और भूख लगने पर भोजन की प्राप्ति तक सीमित है। हम अपनी कल्पना के कारण शेर को जंगल का राजा कहते हैं, वरना किसी शेर के मन में कभी इच्छा नहीं हुई कि वह पूरे जंगल पर राज करे। जबकि मनुष्य आगे बढ़ने के सपने देखता है और उसके लिए जुगत भिड़ाता है। मानव जीवन की यही खासियत उसे अन्य सभी जीवों से अलग करती है। अक्सर हम इस बात से चिंतित होते हैं कि हममें आवश्यक गुण नहीं जो हमें आगे बढ़ने में सहायक हों, मसलन, शिक्षा की कमी, संपर्कों की कमी, धन की कमी, व्यवहार-कुशलता की कमी, हमारी सफलता की राह में रोड़े बनते हैं। परंतु इतिहास ने सिद्ध किया है कि ये सभी गुण महत्वपूर्ण हैं और सफलता में सहायक होते हैं, लेकिन इनकी कमी कोई ऐसी बड़ी कमी नहीं है जो हमें सचमुच सफलता से वंचित रख सके।

कम शिक्षित लोग अपने दम पर धनपति बने हैं, साधनहीन लोग अपने दम पर धनी बने हैं और ऐसे लोग जिनके आसपास का सारा माहौल उनके खिलाफ था, अपने दृढ़ इरादों के कारण सफल बने हैं। इन सबमें एक खासियत अवश्य थी, और वह थी 'पक्का इरादा, विपरीत स्थितियों से घबराए बिना अपने सपने पूरे करने की लगन। यह एक ऐसा अकेला गुण है जो आपकी शेष सभी कमियों पर पार पा सकता है। बस हमें एक अतिरिक्त बात पर ध्यान देने की आवश्यकता है। और वह है, हमारे सपनों का आकार, हमारी इच्छाओं का आकार, हमारी महत्वाकांक्षा का आकार। 'दिल है छोटा-सा, छोटी-सी आशा, आसमानों को छूने की आशा' की तर्ज पर यदि हम आसमानों को छूने की आशा पाल लें तो आसमानों को छू सकते हैं! आइए, इस पर जरा विस्तार से बात करें। क्या आपका सपना है कि आपकी एक दुकान हो, उसमें खूब-सा सामान हो और खूब ग्राहक आएं और इतनी बिक्री हो कि आपका जीवन सुखमय हो जाए, या आपका सपना है कि आपके पास ऐसी दुकानों की श्रृंखला हो जहां खूब सामान हो, खूब ग्राहक आएं और इतनी बिक्री हो कि आप मालामाल हो जाएं? आप सिर्फ एक उद्यमी होना चाहते हैं या फिर आप एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के मालिक होना चाहते हैं? आपके सपनों का आकार आपकी सफलता के आयाम निश्चित करेगा। याद रखिए, किसी कंपनी, दस, बीस, पचास या सौ शाखाओं को चलाने में जितनी मेहनत, ऊर्जा और समय की आवश्यकता होती है, उसकी एक ही शाखा को चलाने में भी उतना ही प्रयत्न लगता है। अब इसी बात को जरा दूसरे ढंग से कहते हैं। दो दशक पहले तक भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियां विदेशों से, खासकर, पश्चिमी देशों से आती थीं। अब बहुत सी भारतीय कंपनियां भी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं। बीकानेरी भुजिया पहले सिर्फ बीकानेर से ही मिलता था, आगरे का पेठा सिर्फ आगरा में होता था, रोहतक की रेवड़ी लेने के लिए रोहतक जाना पड़ता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। समय नहीं बदला है, सोच बदली है। सोच बदलने से यह संभव हो सका है कि विभिन्न भारतीय कंपनियों के मालिकों ने इन्हें देश भर में फैलाया और विदेशों में भी पैर जमाए। प्रसिद्ध उद्योगपति लक्ष्मी नारायण मित्तल ने बकिंघम पैलेस का सामने स्थित लंदन का सबसे बड़ा निजी भवन खरीदा, तब दुनिया ने उनके सपने को सराहा। सपना होगा तो प्रयत्न होगा, और सपना बड़ा होगा तो फल भी बड़ा होगा, क्योंकि तब प्रयत्न भी वैसा ही होगा।

ध्यान रखिए कि सपनों और दिवास्वप्न में बड़ा अंतर होता है। सपना वह होता है जो आपके दिल का चैन उड़ा दे, आपकी रातों की नींद उड़ा दे और आपको सपने की पूर्ति के लिए प्रयत्न की प्रेरणा दे, जुगाड़ लगाने के तरीके सोचने पर मजबूर कर दे। सपना आपको काम पर लगने के लिए प्रेरित करता है, समय-समय पर काम की प्रगति की समीक्षा की प्रेरणा देता है, आवश्यकता होने पर योजना में बदलाव अथवा सुधार की प्रेरणा देता है। दिवास्वप्न, इसके विपरीत, नि_ले की कल्पना है। उसके साथ प्रयत्न नहीं जुड़ा है। सर एडमंड हिलेरी ने एवरेस्ट विजय का सपना देखा, तो अपने शरीर को पहाड़ों की चोटियों के मौसम के अनुरूप ढाला, सर्दी की बर्फीली हवाओं को सहने की क्षमता विकसित की, तूफानों में जीवित रहने की कोशिश करना सीखा और फिर एवरेस्ट की यात्रा आरंभ की। बीच में कठिनाइयां आईं, बर्फीले तूफान आए, लेकिन वे उनके लिए तैयार थे। इसीलिए वे एवरेस्ट विजय कर पाए। वे कोई सैर करने नहीं निकले थे कि सैर करते हुए अचानक एवरेस्ट की चोटी पर जा पहुंचे। एवरेस्ट विजय का उनका सपना ही उनकी सफलता का कारण बना। यदि वे एवरेस्ट विजय का सपना ही न देखते तो प्रयत्न ही न करते। प्रयत्न ही न होता तो विजय भी न होती। लेकिन यहां सपने के साथ योजना जुड़ी थी, कर्म जुड़ा था। अक्सर लोग वक्त की कमी को अपनी सफलता का सबसे बड़ा रोड़ा मानते हैं। वक्त न होने का रोना रोने का एक ही मतलब है कि आप व्यवस्थित नहीं हैं। आप सैर न करने वाले लोगों से पूछ कर देखिए, वे सभी आप को बताएंगे कि उनके पास सैर का वक्त ही नहीं होता, जबकि सैर करने वालों की दिनचर्या उनसे कहीं ज्यादा व्यस्त हो सकती है। वक्त बनाने के लिए खुद को व्यवस्थित करना होता है, अपना आलस्य छोड़ना होता है। कुछ पाने के लिए कुछ मूल्य तो चुकाना ही पड़ेगा। आप भी सफल होना चाहते हों तो एक बात समझ लें। सफलता आसान नहीं होती।

सफलता अपनी कीमत मांगती है। कुछ चुकाए बिना कुछ प्राप्त करने की इच्छा रखना मूर्खों के स्वर्ग में रहना है। सफलता आपकी सारी ऊर्जा चाहती है, सारा ध्यान चाहती है। निशाना चूकना आसान होता है, निशाना लगाना मुश्किल। जो मुश्किल काम से जी चुराता है, वह कभी सफल नहीं होता। मेहनत और जांमारी के बिना कभी कोई सफल नहीं होता। निकम्मा आदमी किसी काम का नहीं। जो आदतन परजीवी बने रहते हैं, दूसरों की मदद के तलबगार बने रहते हैं, वे ही असफल होते हैं। सपनों की पूर्ति के लिए काम करते समय कुछ घबराहट का होना, थोड़ा-बहुत डर, सामान्य सी बात है। और यह वस्तुतः अच्छा है क्योंकि संयमित डर के कारण हम सभी आवश्यक सावधानियां बरतते हैं जिससे असफलता की आशंका कमतर होती जाती है। मैं इसे संयमित डर कहता हूं क्योंकि अत्यधिक डर आपको अपंग बना देता है, और अति-विश्वास आपको ऐसे जोखिम में डाल सकता है कि आप कठिनाइयों के जाल में घिर जाएं। संतुलित डर और आत्मविश्वास का मेल आपकी सफलता को सुनिश्चित करता है, क्योंकि वह आपके इरादे को पक्का करता है और आरंभिक छोटी-बड़ी कठिनाइयों और असफलताओं से घबराए बिना आगे चलने की प्रेरणा देता है। यही हमारी सफलता का राज है। इसीलिए मैं दोहरा कर कहता हूं कि सफलता का सबसे बड़ा कारक है पक्का इरादा और विपरीत स्थितियों में भी अपना सपना सच करने की लगन। तो आइए, सपने देखें, बड़े सपने देखें और सफल होकर दिखाएं।

संपादक की कलम से

'इंडिया' चला अढाई कोस

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की चौथी बैठक के बाद कहा जा सकता है कि वह कुछ सक्रिय हुआ है, कुछ फैसले लिए गए हैं, चुनाव जीतने की ललक जगी है और पहली बार प्रधानमंत्री के चेहरे के तौर पर मल्लिकार्जुन खडग़े का नाम उभरा है। हालांकि गठबंधन का साझा न्यूनतम कार्यक्रम, सचिवालय, प्रतीक चिह्न आदि अभी विचाराधीन हैं, लेकिन संयोजक या प्रधानमंत्री चेहरे का प्रस्ताव बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने रखा, जिसे आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल समेत 12 दलों के नेताओं ने अनुमोदित किया। ममता-केजरीवाल ने यह निर्णय कांग्रेस को बताए बिना ही लिया था। उनकी रणनीति थी कि यदि देश के सामने प्रथम दलित प्रधानमंत्री और एक बेदाग छवि वाले, अनुभवी नेता को पेश किया जाए, तो गठबंधन के पक्ष में जनमत तैयार करने में सुविधा होगी, लेकिन सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी ने मीडिया के सामने कहा कि बैठक में प्रधानमंत्री चेहरे पर कोई चर्चा ही नहीं हुई। ऐसे विरोधाभास 'इंडिया' की एकजुटता पर सवाल करते हैं। बहरहाल कांग्रेस अध्यक्ष खडग़े ने प्रधानमंत्री चेहरे के मुद्दे को अस्वीकार करते हुए कहा कि सबसे पहले हमें चुनाव जीत कर बहुमत हासिल करना है। यदि सांसदों का ही बहुमत नहीं होगा, तो प्रधानमंत्री कैसे बनेगा? खडग़े ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री चुनावी जीत के बाद तय कर लिया जाएगा। पहले हम सभी का मिलकर चुनाव लड़ना और जीतना जरूरी है। शिवसेना के उद्धव ठाकरे ने 'संयोजक' का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कमोबेश नेतृत्व करने वाला चेहरा तो होना चाहिए। यह जरूरी नहीं है कि जो संयोजक हो, उसे ही बाद में प्रधानमंत्री बनाया जाए।

लेकिन खडग़े ने यह मुद्दा हाशिए पर सरका दिया। दरअसल

> **बहरहाल कांग्रेस अध्यक्ष खडग़े ने प्रधानमंत्री चेहरे के मुद्दे को अस्वीकार करते हुए कहा कि सबसे पहले हमें चुनाव जीत कर बहुमत हासिल करना है। यदि सांसदों का ही बहुमत नहीं होगा, तो प्रधानमंत्री कैसे बनेगा?**

विपक्ष के सामूहिक गठबंधन का बीड़ा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उठाया था। उन्होंने ही विपक्ष के प्रमुख नेताओं से संपर्क और संवाद किए थे, लेकिन चार बैठकों के बाद भी उनकी भूमिका गठबंधन के एक घटक की है, लिहाजा वह और राजद अध्यक्ष लालू यादव नाराज बताए जा रहे हैं। वे प्रेस ब्रीफिंग से पहले ही पटना लौट गए। इस तरह 'इंडिया' के संयोजक और सारथी की भूमिकाएं अब भी अनसुलझी हैं। अलबत्ता विपक्ष ने साझा सक्रियता के मद्देनजर कुछ फैसले जरूर लिए हैं। हालांकि 28 दलों के गठबंधन में कुछ नेता आरोपिया भाषा बोल रहे थे कि कांग्रेस ने राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए कमोबेश एक साल का समय बर्बाद कर दिया। हम अब भाजपा से काफी पीछे हैं। आम चुनाव में तीन माह ही शेष हैं और अभी सीटों का बंटवारा ही नहीं हुआ है। इस बैठक में ममता बनर्जी के एक प्रस्ताव के संदर्भ में सीटों के बंटवारे की डेडलाइन 31 दिसंबर तय की गई है। खडग़े इसे 'अग्निपरीक्षा' मान रहे हैं। पश्चिम बंगाल, बिहार, उप्र और महाराष्ट्र आदि राज्यों में सीटों का बंटवारा पहली प्राथमिकता है, यह खडग़े ने स्पष्ट कर दिया है। इन राज्यों में कांग्रेस तीसरे या चौथे नंबर की पार्टी रह गई है। उसके लिए सीटें छोड़ना वाकई पेंचदार स्थिति है। दिल्ली और पंजाब में केजरीवाल के साथ खडग़े बात कर समस्या का समाधान निकालने की कोशिश करेंगे। बहरहाल 'इंडिया' की गाड़ी चल निकली है, बेशक गति अभी 'अढाई कोस' की है।

राय

कब बनेगा जदरांगल परिसर

'गुस्से को भी चाहिए कुछ कद्रदानों की तालियां, हुजूम में चल सकते हैं सिर्फ बिके हुए लोग।' गुस्से का घर बनाना अब देश को चलाना है और इसीलिए राजनीति को आक्रोश पसंद है। यही आक्रोश हिमाचल में भाजपा के मुखर अंदाज की वकालत में धर्मशाला पहुंचा, तो जिक्र कांगड़ा के इनसाफ तक पहुंच गया। आश्चर्य यह कि सत्ता का पेंडुलम चाहे कांग्रेस की ओर झुके या भाजपा का साथ दे, कांगड़ा के प्रति बहस का नजरिया हमेशा विपक्ष की सहानुभूति पर आकर टिक जाता है। इस बार भाजपा के लिए कांग्रेस का मंत्रिमंडल कांगड़ा की रणभूमि में इसलिए कमजोर है क्योंकि सरकार की गोटियों में एक साल बाद भी दो नेताओं को ही स्थान मिला। तर्क भाजपा के पक्ष में मजबूती से इसलिए खड़ा है क्योंकि जयराम सरकार में यही आंकड़ा इससे कहीं आगे खड़ा था। यह दीगर है कि वहां दो जमा दो की दौड़ में कांगड़ा के मंत्रियों को पद छोड़ने पड़े थे और वरिष्ठता के आधार पर किशन कपूर को दिल्ली, विपिन सिंह परमार को विधानसभा अध्यक्ष और रमेश धवाला को योजना बोर्ड का रास्ता देखना पड़ा था। बहरहाल भाजपा कांगड़ा की संवेदनाओं में फिर से हामी भरती हुई यह साबित कर रही है कि सुक्खू सरकार की पारी में यह सियासी पटल हार रहा है। सबसे बड़ा मुद्दा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर निर्माण को लेकर चिन्हित हुआ है। तमाम अड़चनों, राजनीतिक व्याख्याओं, वनापत्तियों और भूगर्भीय पैमाइशों के अंतहीन सिलसिले से निकल कर बरी हुआ जदरांगल परिसर आखिर कांग्रेस की पैमाइश में क्यों लटक गया। आक्रोश रैली ने सीधे पूछा ही नहीं, यह हिसाब भी मांगा कि कब केंद्रीय विश्वविद्याल के जदरांगल परिसर पर काम शुरू होगा और इसके निर्माण को आबंटित हुए ढाई सौ करोड़ खर्च होंगे। भाजपा के किशन कपूर और शांता कुमार पहले ही केंद्रीय विश्वविद्यालय के निर्माण को लेकर सुक्खू सरकार पर क्षेत्रीय भेदभाव का आरोप दर्ज करा चुके हैं। आश्चर्य व्यक्त करती हुई भाजपा पूछ रही है कि जब सारी अनुमतियां मिल चुकी हैं, तो सरकार वन विभाग को तीस करोड़ की राशि अदा न करके बहाने बना रही है। धर्मशाला परिसर के निर्माण में ढील को लेकर बुद्धिजीवी वर्ग खासा आक्रोशित है और एक बड़े आंदोलन का ऐलान कर चुका है। ऐसे में विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्ष के लिए अनेक मुद्दों के साथ केंद्रीय विश्वविद्यालय भी शिरकत करेगा। भाजपा ने ऐन शीतकालीन सत्र से पूर्व यह बता दिया कि विपक्ष की भूमिका में इस बार कांगड़ा की हिमायत वह करेगी। यह प्रदेश की राजनीति का कुरुक्षेत्र है जो हमेशा तपोवन विधानसभा परिसर पर आकर अपना पता बताता है। तपोवन में विधानसभा का होना इसी कांगड़ा की सियासी मिट्टी का मक्का है, वरना सत्ता को हमेशा अपना शिखर शिमला में दिखाई देता है। वीरभद्र सिंह ने यह जान लिया था कि सत्ता की किश्तियां ब्यास के पानी से ही गुजरेंगी और यही ताकत इस बार फिर आजमाइश में है। वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू को इसी ब्यास ने सरकार की किश्ती सौंपी है और यह वजह भी है कि वह कांगड़ा को खुद से और खुद को कांगड़ा से जोड़ते हैं। वह कांगड़ा को हिमाचल की पर्यटन राजधानी बनाना चाहते हैं, इसलिए सदी की सबसे बड़ी परियोजना के तहत गगल एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत विस्तारित शक्ल देना चाहते हैं। यह दीगर है कि उनकी राजनीतिक कसौटियों में कांगड़ा की टीम बदल रही है, लेकिन इसमें कांगड़ा के राजनीतिक चरित्र का पिछलग्गू पक्ष यथावत है। सत्ता कैसी भी हो, किसी की भी हो, कांगड़ा की जनता हमेशा से सरकार के गठन में प्रमुखता से भागीदारी निभाती है। इस बार कुल दस विधायक देने वाले कांगड़ा के हिस्से भले ही दो मंत्री आए, लेकिन नेताओं का पिछलग्गूपन जारी है। दोष शिमला की सत्ता का कम, कांगड़ा के नेताओं का कहीं अधिक है। भाजपा की सरकार में भी रमेश धवाला, किशन कपूर व विपिन सिंह की क्षमता को ग्रहण लगा था, इस बार चपेट में सुधीर शर्मा आ गए तो जाहिर है उनके क्षेत्र के हिस्से में आया केंद्रीय विश्वविद्यालय का जदरांगल परिसर चीख रहा है।

आईना घर से झांकते सत्य

वह आदमकद आईने में अपना चेहरा देख कर मुस्करा देते हैं। जब-जब वह इस प्रकार आईने में झांकते हैं, उन्हें लगता है कि केवल वह ही नहीं, उनकी सारी रियाया उन्हीं के आईने में से झांकती हुई उनके साथ मुस्करा रही है। ठीक है, इसे वह इस लोकतांत्रिक युग में अपनी कोई छुपी साम्राज्यवादी प्रवृत्ति दिखा कर उन्हें मंच से कभी अपनी रियाया नहीं कहेंगे, बल्कि दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतंत्र की रियाया कहेंगे। कितना संतोष होता है कि इस बिगड़े समय में भी जब-जब कोई नेतागिरी का सर्वेक्षण होता है, उन्हें सबसे लोकतंत्र नेता करार दे दिया जाता है। आईने की कृपा से मापने के पैमाने थोड़े से और विस्तृत होते जा रहे हैं, इसलिए उन्हें लगता है, वह इस देश ही नहीं, पूरी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं। अब इन पैमानों के नजर बचा लेने की ही बात है। ललमुंहे अंग्रेजों का देश, कि जिनके साम्राज्य में कभी सूरज नहीं डूबता था, आज वह कब उगता है? कब डूब जाता है? कुछ पता नहीं ही चलता। दुनिया में इस महामारी से लड़ने के लिए टीका हमने बनाया, लेकिन कमबख्त इसके बावजूद हमारी नेतागिरी को ग्रहण लग गया। ये सर्वेक्षण बताते हैं कि हम तो लोकप्रियता खोने की कुछ और मंजिलें तय कर गए। किस शत्रु ने बता दिया कि हम दुनिया के सबसे अलोकप्रिय नेता बन गए? अरे अलोकप्रियता की घोषणा करनी थी तो क्यों अपने को दुनिया का सबसे धनी देश कहने वालों के नेता के अलोकप्रिय होते चले जाने की घोषणा कर देते। वह तो चुनाव हार गए थे, चाहे काफी दिन तक अपनी पराजय स्वीकार न करने का तैश उन्होंने रखा। वे अगले चुनाव के लिए गद्दी संभालने वास्ते लंगर लंगोटे भी कस रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय से राष्ट्रीय पर चलें। जनाब वह राजनीति के खेल निराले हैं, जिनके नारे चल निकले, वह सबसे लोकप्रिय हो गए। जबकि महामारियों ने कई देशों का हुलिया हमारे देश की तरह ही बिगाड़ा। यहां काम-धंधा सब उखड़ गया। लोग रिकार्ड स्तर पर बेकार हो गए, महंगाई की बुलंदियों का अंत नहीं, भ्रष्टाचार अब भी शबाब पर है।

भ्रष्टाचार का नया सूचकांक आ गया है। यहां अपने देश को लेकर भ्रष्टाचार के उसी पायदान पर खड़े हैं, जहां इससे पहले बरसों में खड़े थे। दुनिया के सबसे बड़े रिश्वतखोर देशों में उनकी गिनती होने लगी, लेकिन उनके आईने में उभरती उनकी चौड़ी मुस्कान में तनिक भी अंतर नहीं आया। जनाब हमें तो इस भीड़ के देश में गरीबी और गुरबत में जीने की आदत हो गई है। सुनिए, पिछले दिनों तो अपने यहां रिश्वत, दलाली और कमीशनखोरी को कानूनी जामा पहनाने का भी प्रयास हुआ, जो फिलहाल असफल है, लेकिन असफल हुए तो क्या हुआ? कानून को आजकल मानता कौन है? बस उम्मीदों के चौबारे ऊंचे होते रहने चाहिएं, उनके निवेश की बड़ी-बड़ी मेजों का उच्छिष्ठ खाकर भी अपने देश की भूखी-नंगी भीड़ पल जाएगी। यहां कम्पनी बहादुर ने राज्यशाही का चंवर ओढ़ कर इतने बरस शासन कर लिया। हमें इस देश की राई रत्ती पता है। हम तो भई स्वप्नजीवी लोग हैं। जो जनता को अच्छे सपने दिखा सके, बदलाव के नए नारे दे सके, क्रांति के दिवास्वप्न साकार कर देने का वायदा कर सके, वही उनका सबसे लोकप्रिय नेता होता है। आईने में अपना चेहरा देख कर मुस्कराते हुए नेता फिर सोचते हैं, और अपनी अद्भुत भाषण कला से लोगों में एक नया ओज भर देने का विश्वास श्रोताओं की भीड़ में उलीच देते हैं। देश के धरतीपुत्रों के भोलेपन पर उन्हें हंसी आती है। वे क्यों नहीं समझते कि ये सब उनके भले के लिए ही तो कर रहे हैं। वे कानून बदलने में नहीं, समझाने में विश्वास रखते हैं। उन्हें आत्मविश्वास है कि वे इन लोगों को समझा लेंगे। राजनीतिज्ञ तो राजनीति करेंगे ही।

सुरेश सेठ

गहन विचार

कांग्रेस के सामने उभरी नई चुनौतियां

कुछ समय पहले इंडिया गठबंधन के पक्ष में बनते माहौल को पांच राज्यों की विधानसभाओं के लिए हुए चुनावों में भाजपा द्वारा हिंदी पट्टी के तीन प्रमुख राज्यों पर जीत दर्ज करने से इस गठबंधन को 2024 के लोकसभा चुनावों के दृष्टिगत अपने मतभेदों को दरकिनार कर नए सिरे से चुनावी रणनीति पर काम करना होगा, वरना नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2024 में भाजपा की वापसी तय है। जहां तक हिमाचल का सवाल है तो कांग्रेस में व्याप्त गुटबंदी से पार पाकर मुख्यमंत्री को सभी गारंटियों को धरातल पर साकार करना होगा

हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 11 दिसंबर को एक साल का कार्यकाल पूरा कर लिया। राज्य स्तरीय समारोह का जश्न मनाने के लिए तमाम कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का जमावड़ा धर्मशाला में लगा। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने सरकार के एक साल के कार्यकाल को पूरी तरह नाकाम बताया और शिमला में विरोध प्रदर्शन किया। रोजाना अखबारों की सुर्खियों में बने रहने की कवायद करते नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर को लगता है कि सुक्खू सरकार के पास जश्न मनाने की कोई खास वजह नहीं है। हालांकि सुक्खू सरकार पुरानी पेंशन बहाली जैसे अहम फैसले को लागू भी कर चुकी है और हालिया आपदा का समुचित प्रबंधन भी किया है, तथापि जयराम ठाकुर दावा कर रहे हैं कि सरकार सिर्फ और सिर्फ नाकामियों का जश्न मना रही है। दूसरी तरफ आजकल भारत में गारंटियां देने की होड़-सी मची हुई है। आम आदमी पार्टी से शुरू हुआ सिलसिला अब सभी राजनीतिक दलों को खूब आंदोलित करता नजर आता है। इधर अपने मुख्यमंत्रित्व काल का एक साल पूरा होने के अगले ही दिन मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा पहले से खाली चल रहे मंत्रिमंडल के तीन में से दो पदों पर विधायकों की ताजपोशी होने से जहां मंत्री बने विधायकों के समर्थकों में खुशी की लहर है, तो वहीं कुछ विधायक मन मसोस कर भी रह गए हैं।

पूर्व मंत्री एवं धर्मशाला से विधायक सुधीर शर्मा अपनी फेसबुक वॉल पर लिखते भी हैं कि, 'युद्धं निरन्तरं भवति, दैवेन सह, कालेन सह, अस्माभिः सह।' अर्थात लड़ाई जारी है, भाग्य से, वक्त से, अपने आप से। जाहिर है जब राजनीति में हैं तो कौन नेता व विधायक मंत्री नहीं बनना चाहेगा? कोई भजन-कीर्तन करने तो आए हुए नहीं हैं। लेकिन आम पब्लिक की क्या कहें, वह तो रामचरितमानस की यह चौपाई ही गुनगुना सकती है कि, 'कोउ नृप होउ हमहि का हानी', अर्थात किसी के मंत्री पद, धन या अधिकार मिलने से हमें क्या? हमें तो दो जून की रोटी कमाने के लिए मेहनत मशक्कत करनी ही होगी। पिछले कुछ समय से भारत के कई राज्यों में हर पांच वर्ष के बाद सरकार बदलने की रीत-सी चल पड़ी है और हिमाचल भी इस परिपाटी से अछूता नहीं है। लिहाजा अब कुछ नया होगा या नया करके दिखाने की गारंटी होगी, तभी जनता जनार्दन की नजरें इनायत होंगी और पढ़े-लिखे, सजग एवं जागरूक हिमाचलियों से ऐसी उम्मीद तो बंधती भी है कि वे दूध का दूध और पानी का पानी कर दें। इधर सुक्खू सरकार को भी अपनी दी हुई गारंटियों को पूरा करके दिखाना है, लेकिन प्रदेश के माली हालात ऐसे नहीं हैं कि सभी गारंटियों को एकदम से सिरे चढ़ाया जा सके। सीएम सुक्खू कहते भी हैं कि पिछली सरकार से वर्तमान राज्य सरकार को विरासत में लगभग 75 हजार करोड़ रुपए का कर्ज मिला है। वह बार-बार यह वक्तव्य भी दोहराते हैं कि वह सत्ता में सत्ता सुख के लिए नहीं, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन के लिए आए हैं।

उनका कहना है कि मेरे परिवार का कोई भी व्यक्ति राजनीति में नहीं रहा, इसलिए मन में वंचित वर्ग तक सरकार की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने की सोच है। अब अगले 5-6 महीनों के भीतर लोकसभा के चुनाव भी होने हैं। प्रदेश सरकार भाजपाई चुनौती से कैसे दो-दो हाथ करेगी, इसके लिए प्रदेश नेतृत्व को अपने कुनबे को न केवल संभालने की जरूरत रहेगी, बल्कि जिन्हें मंत्री पद नहीं मिल पाया है, उन्हें शीघ्र ही मंत्रालय या किसी बड़े विभाग, बोर्ड या निगम की सरदारी देनी होगी। कांग्रेस को संगठन स्तर पर भी बड़े बदलावों को सरंजाम देना होगा, क्योंकि भाजपा के मुकाबले कांग्रेस के पास समर्पित और कर्मठ कार्यकर्ताओं का नितांत अभाव है और कांग्रेस के कुछ विधायक या स्वयंभू नेता अपने-अपने क्षेत्रों में खुद को ही सम्पूर्ण कांग्रेस मानने का भ्रम पाले रहते हैं, जिनके इर्द-गिर्द चंद स्वार्थी और ठेकेदार प्रवृत्ति के लोग उन्हें वास्तविक शुभचिंतक होने की झूठी तसल्ली देकर अपना हित साधते रहते हैं।

इन हालात में जनता से कटे ये विधायक या नेता किस प्रकार से लोकसभा की चारों सीटों को निकाल पाएंगे, जहां उनकी चुनौती भाजपा से बढ़कर प्रधानमंत्री मोदी से है, यह कहना कठिन है। दूसरी तरफ सभी चुने हुए विधायकों के लिए भी लोकसभा चुनाव किसी परीक्षा से कम नहीं होंगे क्योंकि इन चुनावों में विधायकों का ग्राफ गिरा या उठा है, इसका भी उन्हें पता चलेगा। ऊपर से हालिया विधानसभा चुनावों में भाजपा को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार से राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में जबरदस्त जीत हासिल हुई है, उसके दृष्टिगत हिमाचल में कोई नया करिश्मा कर दिखाना मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू और कांग्रेस नेतृत्व के लिए इतना आसान भी नहीं होने वाला है। कुछ समय पहले इंडिया गठबंधन के पक्ष में बनते माहौल को पांच राज्यों की विधानसभाओं के लिए हुए चुनावों में भाजपा द्वारा हिंदी पट्टी के तीन प्रमुख राज्यों पर जीत दर्ज करने से इस गठबंधन को 2024 के लोकसभा चुनावों के दृष्टिगत अपने मतभेदों को दरकिनार कर नए सिरे से चुनावी रणनीति पर काम करना होगा, वरना नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2024 में भाजपा की वापसी तय है। जहां तक हिमाचल का सवाल है तो सतारूढ़ कांग्रेस पार्टी के भीतर व्याप्त गुटबंदी और कुछ विधायकों को झंडी न मिलने से उपजी हताशा से पार पाकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को अपनी पार्टी द्वारा दी गई सभी गारंटियों को धरातल पर साकार करना होगा, वरना भाजपा निःसंदेह गारंटियों वाले मुद्दे को भुनाने का प्रयास तो करेगी ही।

अनुज आचार्य

बिंद्रा के खिलाफ सबसे बड़ी लॉ फर्म को हायर करेंगे माहेश्वरी, जानिए विवाद की पूरी कहानी

यूट्यूब और विभिन्न सोशल मीडिया पर संदीप माहेश्वरी हैं और विवेक बिंद्रा के बीच में विवाद छाया हुआ है। संदीप माहेश्वरी के यूट्यूब पर 2.83 करोड़ सब्सक्राइबर हैं वहीं विवेक बिंद्रा के यूट्यूब पर 2.14 करोड़ सब्सक्राइबर हैं। विवेक बिंद्रा यूट्यूबर के साथ-साथ एक उद्यमी भी हैं। जानिए इन दोनों के बीच क्या है विवाद और आखिर कहां से हुई इस विवाद की शुरुआत।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। इन दिनों यूट्यूब (YouTube) और विभिन्न सोशल मीडिया पर दो बड़े यूट्यूबर के बीच जंग छीड़ी हुई है। पहले यूट्यूबर हैं संदीप माहेश्वरी (Sandeep Maheshwari) जो भारत के सबसे बड़े मोटिवेशनल स्पीकर हैं और दूसरे हैं विवेक बिंद्रा (Vivek Bindra) जो एक मोटिवेशनल स्पीकर के साथ-साथ उद्यमी भी हैं।

संदीप माहेश्वरी के यूट्यूब पर 2.83 करोड़ सब्सक्राइबर हैं वहीं विवेक बिंद्रा के यूट्यूब पर 2.14 करोड़ सब्सक्राइबर हैं। विवेक बिंद्रा यूट्यूब के अलावा बड़ा बिजनेस डॉट कॉम (Bada Business.com) के फाउंडर और सीईओ भी हैं। ये दोनों बड़े यूट्यूबर के बीच यूट्यूब सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे यूट्यूब, X (पूर्व में ट्विटर) और इंस्टाग्राम पर सीधी टक्कर देखने को मिल रही है।

Gen Z और लोगों के बीच इस वक्त ये दोनों लोग चर्चा का विषय हैं। समाज का एक धड़ा संदीप माहेश्वरी को सपोर्ट कर रहा है तो वहीं दूसरा विवेक बिंद्रा को। तो आखिर इन दोनों के बीच विवाद है क्या और ये विवाद कहां से और कैसे शुरू हुआ। इस खबर में जानिए पूरी जानकारी।

क्या है यह विवाद और कहां से हुआ शुरू?

दरअसल यह विवाद उस वक्त शुरू हुआ जब संदीप माहेश्वरी ने अपने यूट्यूब चैनल पर 11 दिसंबर 2023 को 'Big Scam Exposed' के नाम से एक 10 मीनट का वीडियो डाला। बस पूरा विवाद इसी वीडियो से शुरू हुआ। इस वीडियो में तीन लड़कों ने यह आरोप लगाया कि उन्होंने भारत के काफी बड़े यूट्यूबर से एक बिजनेस का कोर्स 50,000 रुपये में खरीदा लेकिन उन लड़को को कोर्स खरीने के बाद यह पता चला की इस कोर्स से वो बिजनेस नहीं सीख रहे। इनके मुताबिक इस कोर्स की वैल्यू कुछ भी नहीं है।

जब उन्होंने इस कोर्स के पैसे वापस मांगने चाहे तो उनसे कहा गया कि पैसे रिटर्न करने की कोई पॉलिसी नहीं है लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपका पैसा आपको वापस मिले तो आप यह कोर्स किसी और को बेच कर कमिशन के रूप में अपना पैसा वापस ले सकते हैं। कुछ ऐसा ही आरोप कुछ और लड़कों ने भी लगाया। इसके बाद संदीप माहेश्वरी ने इसे स्कैम करार दिया।

यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि संदीप माहेश्वरी के इस वीडियो में ना तो विवेक बिंद्रा का नाम और ना ही उनके बिजनेस, बड़ा बिजनेस डॉट कॉम का नाम लिया। लेकिन इस वीडियो के सामने आते ही विवेक बिंद्रा ने इसे अपने उपर लेते हुए अपने यूट्यूब चैनल पर एक कम्युनिटी पोस्ट डाल कर इस वीडियो का रिस्पॉन्स दिया।

विवेक बिंद्रा ने कहा- संदीप भाई, मैंने आपका लेटेस्ट वीडियो देखा, 'Big Scam Exposed' चूंकि आपने पुष्टि की है कि यह मुझसे और मेरी कंपनी से संबंधित है तो मुझे लगता है कि मुझे अपनी आधिकारिक आईडी से इस पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए, ताकि दर्शकों के मन में कोई भ्रम न रहे। आप उनकी पूरी पोस्ट नीचे फोटो में या उनकी यूट्यूब पर जाकर पढ़ सकते हैं।

इस पोस्ट के बाद अब संदीप माहेश्वरी ने अपने कम्युनिटी पोस्ट पर विवेक बिंद्रा को जवाब दिया और यहीं से दोनों के बीच विवाद शुरू हुआ। संदीप माहेश्वरी ने लिखा- मेरे प्यारे विवेक, एक तरफ से आप ने मेरी टीम को कानूनी कार्रवाई की धमकी दी (अभी मैंने आपकी कॉल रिकॉर्डिंग सुनी) और दूसरी तरफ से आप ने मेरे घर पर अपने कर्मचारियों को भेजा। वो भी एक बार नहीं... बार-बार... क्या आपको सच में लगता है कि मैं आप की धमकियों से डरता हूं? संदपी माहेश्वरी की इस पूरे पोस्ट को आप नीचे फोटो में या उनके यूट्यूब पर जाकर पढ़ सकते हैं।

विवेक बिंद्रा ने वीडियो बनाकर संदीप को दिया जवाब

विवाद ज्यादा बढ़ने के बाद विवेक बिंद्रा ने दो दिन पहले यानी 18 दिसंबर को 'Biggest Controversy | Biggest Program | Biggest Attack - Dr Vivek Bindra' के नाम से एक वीडियो बनाया इस वीडियो के पहले 30 मिनट में उन्होंने संदीप माहेश्वरी के उपर आरोप लगाते हुए कई सवाल दागे। विवेक बिंद्रा ने यह भी कहा वो सात दिन के बाद कुछ बड़ा करने वाले हैं। आप यह पूरा वीडियो नीचे देख सकते हैं।

संदीप ने भी दिया जवाब

विवेक बिंद्रा के इस वीडियो के बाद संदीप माहेश्वरी ने आज यानी 21 तारीख को #StopVivekBindra के नाम से एक वीडियो बनाकर विवेक बिंद्रा द्वारा उठाए सवाल का जवाब दिया और स्कैम में फंसे बच्चों की मदद के लिए एक लॉ फर्म हायर करने की भी बात कही। आप नीचे लिंक पर उनकी पूरी वीडियो देख सकते हैं।

इस पूरे विवाद में अब देखना होगा ही आगे क्या होता है और विवेक बिंद्रा सात दिन के क्या क्या बड़ा करते हैं और संदीप माहेश्वरी अब आगे क्या करते हैं।

INOX India Ltd के शेयर ने बाजार में ली शानदार एंट्री, निवेशकों को हुआ इतना फायदा

लगातार दो कारोबार सत्र से शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। आज भी बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। इस गिरावट के बावजूद आज INOX India Ltd के स्टॉक बाजार में लिस्ट हुए। कंपनी के शेयर से निवेशकों को काफी लाभ हुआ है। दरअसल कंपनी के शेयर 44 फीसदी प्रीमियम के साथ लिस्ट हुई है।

नई दिल्ली। शेयर मार्केट में गिरावट का दौर जारी है। इस गिरावट के बाद आज क्रायोजेनिक टैंक बनाने वाली कंपनी आईनॉक्स इंडिया लिमिटेड (INOX India Ltd) के शेयर बाजार में लिस्ट हुए हैं। कंपनी की लिस्टिंग प्रीमियम के भाव पर हुई है। एक्सपर्ट ज्यादा प्रीमियम के साथ लिस्टिंग की उम्मीद कर रहे थे पर बीते शुरुआती सेशन में आई गिरावट की वजह कंपनी के शेयर कम प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए।

कंपनी के शेयर दोनों एक्सचेंज पर प्रीमियम पर लिस्ट हुए हैं। आपको बता दें कि आईनॉक्स इंडिया लिमिटेड के शेयर गुरुवार को 660 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले लगभग 44 प्रतिशत प्रीमियम के साथ सूचीबद्ध हुए।

कंपनी के स्टॉक ने बीएसई पर निर्गम मूल्य से 41.38 प्रतिशत ऊपर 933.15 रुपये पर शुरुआत की। इसके बाद में यह 48.31 फीसदी उछलकर 978.90 रुपये पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई पर कंपनी के स्टॉक 43.88 प्रतिशत की तेजी के साथ 949.65 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। आज सुबह के कारोबार के दौरान कंपनी का बाजार मूल्यांकन 8,522.24 करोड़ रुपये था।

गुरुवार को अपडेट हुए सोने-चांदी के दाम, चेक करें आपके शहर में कितनी बदली सोने की कीमत

गुरुवार को सोने की कीमतों में तेजी के साथ चांदी की कीमतों में नरमी देखने को मिली है। वहीं बीते दिन सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज हुई थी। ऐसे में अगर आप गोल्ड या सिल्वर खरीदने का सोच रहे हैं तो आपको एक बार अपने शहर के लेटेस्ट रेट जरूर चेक कर लेना चाहिए। आइए जानते हैं कि आज आपके शहर में सोना कितने रुपये का मिल रहा है।

नई दिल्ली। Gold Silver Price Today: गुरुवार को 21 दिसंबर 2023 को गोल्ड और सिल्वर की कीमत अपडेट हो गए हैं। आज इनकी कीमतों में बदलाव देखने को मिला है। आपको बता दें कि आज गोल्ड की कीमतों में तेजी और चांदी की कीमतों में नरमी देखने को मिली है।

अगर आप भी गोल्ड या सिल्वर की ज्वेलरी खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो आपको एक बार अपने शहर में सोने और चांदी के लेटेस्ट रेट जरूर चेक करना चाहिए।

बदल गई सोने की कीमत

वायदा कारोबार में गुरुवार को सोने की कीमत 48 रुपये बढ़कर 62,463 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, फरवरी डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 48 रुपये या 0.08 प्रतिशत बढ़कर 62,463 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 14,912 लॉट का कारोबार हुआ।

वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में सोना वायदा मामूली गिरावट के साथ 2,047.50 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर आ गया।

नरम हुई चांदी के भाव

गुरुवार को चांदी की कीमत 79 रुपये की मामूली गिरावट के साथ 75,407 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, मार्च डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 14,831 लॉट के कारोबार में 79 रुपये या 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 75,407 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया।

वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में चांदी 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24.59 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

चेक करें गोल्ड के लेटेस्ट रेट

गुड रिटर्न के मुताबिक खबर लिखे जाने तक सोने की स्पॉट कीमत विभिन्न शहरों में इस प्रकार है:

दिल्ली में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,550 रुपये है।

नोएडा में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,550 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,000 रुपये है।

चैन्नई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,550 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,000 रुपये है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,000 रुपये है।

केरल में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,000 रुपये है।

पटना में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,050 रुपये है।

सूरत में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,050 रुपये है।

चंडीगढ़ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,150 रुपये है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,150 रुपये है।

कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर हुई 7.37 प्रतिशत, ग्रामीण श्रमिकों के लिए महंगाई 7.13 प्रतिशत

पिछले महीने नवंबर में कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति कुछ खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ने से बढ़कर 7.37 फीसदी हो गई। इसके अतिरिक्त कृषि श्रमिक मुद्रास्फीति बढ़कर 7.13 प्रतिशत हो गई। आधिकारिक बयान के अनुसार अक्टूबर में कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति 7.08 प्रतिशत और ग्रामीण श्रमिकों सहित कृषि श्रमिकों के लिए 6.92 प्रतिशत थी।

नई दिल्ली। पिछले महीने यानी नवंबर में कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति बढ़ी है। कुछ खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों के कारण रिटेल इनफ्लेशन बढ़कर 7.37 प्रतिशत हो गई है। इसके अलावा ग्रामीण श्रमिकों के लिए महंगाई बढ़कर 7.13 प्रतिशत हो गई है।

अक्टूबर में कितनी थी महंगाई?

आधिकारिक बयान के मुताबिक कृषि श्रमिकों के लिए रिटेल महंगाई अक्टूबर में 7.08 प्रतिशत रही थी और ग्रामीण श्रमिकों सहित गांव के मजदूरों के लिए 6.92 प्रतिशत रही।

नवंबर में कितनी रही खाद्य मुद्रास्फीति?

श्रम मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक कृषि श्रमिकों के लिए खाद्य मुद्रास्फीति नवंबर में 9.38 प्रतिशत और ग्रामीण मुद्रास्फीति 9.14 प्रतिशत रही, जबकि अक्टूबर 2023 में कृषि श्रमिकों के लिए खाद्य मुद्रास्फीति 8.42 प्रतिशत थी और ग्रामीण मुद्रास्फीति 8.18 प्रतिशत था।

बयान के अनुसार, CPI-AL (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-कृषि मजदूर) और CPI-RL (ग्रामीण मजदूर) पर आधारित मुद्रास्फीति की दर इस साल नवंबर में क्रमशः 7.37 प्रतिशत और 7.13 प्रतिशत रही। अक्टूबर 2023 में क्रमशः 7.08 प्रतिशत और 6.92 प्रतिशत हो गई।

कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी बढ़ा

नवंबर में कृषि मजदूरों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 12 अंक बढ़कर 1,253 हो गया, जबकि ग्रामीण श्रमिकों के लिए सूचकांक 11 अंक बढ़कर 1,262 हो गया। वहीं अक्टूबर में ये दोनों सूचकांक क्रमशः 1,241 अंक और 1,251 अंक थे।

कृषि मजदूरों और ग्रामीण मजदूरों के सामान्य सूचकांक में वृद्धि चावल, गेहूं, आटा, दालें, प्याज, हल्दी, लहसुन, मिश्रित मसाले, आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण आया है।

आरबीआई ने कार्ड tokenisation के प्रोसेस को किया आसान, अब ग्राहकों को मिलेगी ये खास सुविधा

ऑनलाइन खरीदारी को सुरक्षित बनाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने Card tokenisation की सुविधा शुरू किया था। इस सुविधा की मदद से ग्राहक आसानी और सिक्योरिटी के साथ ऑनलाइन शॉपिंग कर सकते हैं। इस सुविधा को और सिक्योर के साथ सुविधाजनक बनाने के लिए अब आरबीआई ने कार्ड ऑन फाइल टोकनाइजेशन क्रिएशन फैसिलिटी भी शुरू कर दिया है।

नई दिल्ली। इस साल अक्टूबर में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर ने कार्ड ऑन फाइल टोकनाइजेशन क्रिएशन फैसिलिटी (Card Tokenisation Creation Facility) की सुविधा को लेकर प्रस्ताव पेश किया था। अब बैंकों में यब सुविधा शुरू कर दी गई है। इसकी जानकारी 20 दिसंबर 2023 को आरबीआई द्वारा दी गई। आरबीआई ने बताया कि अब इस सुविधा को बैंक स्तर पर पहुंचा दिया गया है।

इस सुविधा का लाभ सभी ग्राहकों को मिलेगा। वह अब आसानी से ऑनलाइन पेमेंट कर पाएंगे। इसके अलावा जल्द ही इस सुविधा को कई ई-प्लेटफॉर्म से लिंक किया जाएगा।

आरबीआई ने अपने प्रेस रिलीज में कहा कि अब कार्ड जारी करने वाले बैंक या वित्तीय संस्था कार्ड ऑन फाइल टोकनाइजेशन की सुविधा देने में सक्षम होंगे। यह कार्ड मोबाइल बैंकिंग या इंटरनेट बैंकिंग के जरिये जारी किया जाएगा।

इसमें ग्राहक को मंजूरी और एएफए वेलीडेशन अनिवार्य होगा। ऐसे में जो टोकन कार्ड हो वह होल्डर के अकाउंट में मर्जेंट पेज पर भी शो होगा।

कार्ड टोकनाइजेशन क्या है?

ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के लिए ग्राहक को अपने कार्ड की सारी जानकारी वेबसाइट पर देनी होती है। ऐसे में इन डेटा के चोरी होना या इसका गलत इस्तेमाल करने का चांस बढ़ जाता है। इस वजह से ग्राहकों को ज्यादा सिक्योरिटी देने के लिए कार्ड टोकन सुविधा शुरू की गई है। इसमें ग्राहकों के सभी डेटा को सुरक्षित रखा जाता है। यह डेटा चोरी जैसे कई मामलों को कम करता है साथ ही यह ट्रांजेक्शन की संख्या में वृद्धि करता है।

कार्ड ऑन फाइल टोकनाइजेशन क्रिएशन फैसिलिटी बैंक स्तर पर शुरू होगी। इसके बाद एक अकाउंट को कई ई-प्लेटफॉर्म से लिंक किया जाएगा जो कि ऑनलाइन शॉपिंग को आसान बना देगा।

व्हाट्सएप बस टिकट सिस्टम दो महीने में हो सकती है शुरू, दिल्ली परिवहन मंत्री का खुलासा

दिल्ली सरकार कुछ ही महीनों में अपनी व्हाट्सएप आधारित बस टिकटिंग प्रणाली शुरू करेगी। इस परियोजना का ट्रायल रन 15 दिनों में शुरू हो जाएगा। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने यह जानकारी दी।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार कुछ ही महीनों में अपनी व्हाट्सएप आधारित बस टिकटिंग प्रणाली शुरू करेगी। इस परियोजना का ट्रायल रन 15 दिनों में शुरू हो जाएगा। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा, सिंगल-जर्नी टिकट सिस्टम भी पाइपलाइन में है, जिससे यूजर्स ऑटो, मेट्रो टिकट और बस टिकट बुक कर सकेंगे।

गहलोत ने पीटीआई को बताया, ₹हम इस पहल के लिए व्हाट्सएप के साथ पहले ही साझेदारी कर चुके हैं। इसमें कोई डिजिटल पैसा शामिल नहीं होगा। या तो आप एनसीएमसी कार्ड खरीदें या डिजिटल टिकट। इससे डिजिटल पैसा को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

हाल ही में सरकार ने एक बयान में कहा था कि दिल्ली में अनुमानित 40 लाख लोग बसों से यात्रा करते हैं और 2025 तक यह संख्या 60 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा कि डिजिटल टिकटिंग प्रणाली नकदी के लेन-देन में होने वाली चोरी पर अंकुश लगा सकेगी।

अधिकारियों ने पहले बताया था कि व्हाट्सएप-आधारित बस टिकटिंग प्रणाली दिल्ली मेट्रो में इस्तेमाल होने वाली प्रणाली के जैसी ही काम करेगी।

गहलोत ने कहा कि व्हाट्सएप बस टिकटिंग प्रणाली को दो महीने के भीतर शुरू कर दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, ₹हम 15 जनवरी के आसपास एक ट्रायल रन शुरू करने की योजना बना रहे हैं और उसके बाद इसे पूरी तरह से लॉन्च करने में हमें एक या दो महीने का समय लगेगा।₹

दिल्ली में 7,000 से ज्यादा सरकारी बसें चलती हैं, जिनमें 4,000 डीटीसी बसें और 3,000 क्लस्टर बसें शामिल हैं।

परिवहन मंत्री ने बताया कि सरकार सिंगल-जर्नी टिकट बुक करने के लिए एक अलग एप लॉन्च करने की भी योजना बना रही है। मंत्री ने कहा, ₹एक ही टिकट का इस्तेमाल ऑटो, मेट्रो और बस में आने-जाने के लिए किया जा सकेगा और यह यात्रियों को शुरू से आखिर तक सेवा देगा। केंद्र सरकार ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) को आगे बढ़ा रही है। एप तो होगा ही और जो एग्रीगेटर्स ओएनडीसी प्लेटफॉर्म पर होंगे, वे निश्चित रूप से हमारे एप्लिकेशन का हिस्सा होंगे।₹

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (DMRC) पहले से ही एक व्हाट्सएप-आधारित टिकटिंग प्रणाली का संचालन कर रहा है। यह सर्विस मई 2023 में शुरू की गई थी और बाद में इसे गुरुग्राम रैपिड मेट्रो सहित रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के सभी कॉरिडोर में लागू किया गया था।

दिल्ली मेट्रो टिकट खरीदने के लिए, यात्रियों को व्हाट्सएप पर +91 9650855800 पर 'Hi' लिखकर भेजना होगा या अपने स्मार्टफोन का इस्तेमाल करके दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा।

व्हाट्सएप टिकटिंग प्रणाली में टिकट कैंसल करने की इजाजत नहीं है। क्रेडिट या डेबिट कार्ड से किए गए लेनदेन पर मामूली सुविधा शुल्क लागू होता है। जबकि यूपीआई-आधारित लेनदेन पर कोई सुविधा शुल्क नहीं लिया जाता है।

सीपी की गोपाल दास बिल्डिंग में आग से अफरातफरी

परिवहन विशेष। एसडी सेठी। नई दिल्ली के बाराखम्बा स्थित गोपाल दास बिल्डिंग में गुरूवार को आग लग गई। टॉवर की 11वीं मंजिल में दोपहर 1 बजे भीषण आग की लपेट और धुंए के गुब्बार ने आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई। आग की कंपलेंट पर दमकल की कई गाडियां मौके पर मौजूद है। ड्यूटी आवर में लगी आग में फंसे लोगों को बिल्डिंग के बाहर निकाला गया। आग बुझाने के लिए बिल्डिंग में लगे कांच तोडे गए। और 11 वीं मंजिल तक पहुंचने के लिए क्रेन की मदद ली गई। फायर ब्रिगेड अधिकारी के मुताबिक आग की घटना में कोई केजुवल्टी नहीं हुई है। आग कैसे लगी ,इस बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है उल्लेखनीय है कि इसी लेन में आगे बनी अंसल बिल्डिंग में 1984 में जबरदस्त आग लग गई थी। 7 वीं मंजिल में लगी आग ने 10 वें फ्लोर को भी अपनी चपेट में ले लिया था। उस वक्त सीपी की ऊंची बिल्डिंगों में आग बुझाने की क्रेन नही थी तब आग पीडित बिल्डिंग की छत पर पहुंच गए थे। तब के दिल्ली उपराज्यपाल हरिकृष्ण लाल कपूर ने हिंडन से दो हेलिकॉप्टर मंगवाए थे। बिल्डिंग की छत पर फंसे लोगो को हेलिकॉप्टर की रस्सी के जरिए ऊपर खर्चा और उन्हें इंडिया गेट ग्राऊंड पर उतारा गया था। उस आग की घटना में तीन चार लोगों की मौत हो गई थी। उस घटना के बाद ही फायर ब्रिगेड में ऊंची टावर तक पहुंचने के लिए क्रेन की खरीदारी दी गई थी। उस वक्त ये संवाददाता भी अंसल भवन की छत पर मौजूद था।

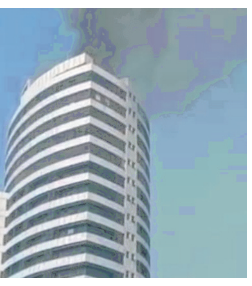

अयोध्या में विवादित ढांचा गिरने पर घर लाए थे ईंट, पत्नी-बच्चे मारते थे ताने; अब 31 साल बाद रामलला का करेंगे दर्शन

फरीदाबाद के मुकेश कौशिक बताते हैं कि 06 दिसंबर 1992 को अयोध्या में सरयू में स्नान करने के बाद विवादित ढांचा गिराने की ओर चल पड़े थे। ढांचा गिरने के बाद अपने साथ एक ईंट लेकर वह अपने घर आ गए थे। कई साल बाद तक पत्नी व बच्चों ने खूब ताने मारे और उनसे कई माह तक बात तक नहीं की थी लेकिन आज जब अयोध्या में राम मंदिर...

परिवहन विशेष न्यूज

दक्षिणी दिल्ली। छह दिसंबर 1992 में अयोध्या में विवादित ढांचा गिराने का दृश्य आज भी आंखों के सामने घूमता नजर आता है और जब वह आंखे बंद कर सोचते हैं तो उनके सामने लाखों की भीड़ ढांचा गिराती नजर आती है। कभी-कभी आंखे भर आती है कि यदि उन्हें कुछ हो जाता तो परिवार का क्या होता, लेकिन अब मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर गर्व महसूस हो रहा है।

ढांचा गिरने पर घर लाए थे एक ईंट

यह बाते बदरपुर के मुकेश कौशिक ने खुद पर गर्व महसूस करते हुए बताई। बताया कि वहां ढांचा गिरने के बाद अपने साथ एक ईंट लेकर वह अपने घर आ गए थे। 31 साल पहले अयोध्या में विवादित ढांचा किस तरह से गिराया गया और किस तरह का वहां 6 दिसंबर 1992 में माहौल था।

किस तरह कार सेवकों में अपने भगवान रामलला को विराजमान करने का जुनून था। आओ जानते है ग्रीन फील्ड कॉलोनी फरीदाबाद निवासी मुकेश कौशिक से आंखों देखी। मुकेश कौशिक ने बताया कि वह चार दिसंबर की रात में बदरपुर से अपने साथी विजय गुप्ता सहित दर्जनभर कारसेवकों के साथ ट्रेन में बिना रिजर्वेशन कराए ही चल दिए थे।

पांच दिसंबर की सुबह छह बजे वह अयोध्या पहुंचे और वहां सरयू नदी में स्नान करने के बाद भगवान श्रीराम के दर्शन किए। उसके बाद मंदिर में घूमने के बाद रात में परिसर में ही सो गए। उसके बाद छह दिसंबर की सुबह उठे और स्नान करने के बाद भगवान श्रीराम के जयघोष लगाने शुरू कर दिए थे।

उस समय मौजूद से दस लाख से ज्यादा कारसेवक

वहां करीब दस लाख से अधिक कारसेवक खड़े थे और उनके अंदर भगवान राम को उनका स्थान दिलाने का जोश भरा था। जब जय श्रीराम, रामलाल हम लाएंगे, मंदिर वहीं बनवाएंगे, एक धक्का और दो आदि के नारे लगते थे तो ऐसा लगता था कि आसमान की ऊंचाई कम रह गई हो और आसमान कहीं फट न जाए।

देखते ही देखते भीड़ ने विवादित ढांचा को गिराना शुरू कर दिया और दूर से आवाज आती थी कि पुलिस ने गोलियां चलानी शुरू कर दी और आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे है, लेकिन किसी को अपनी जान की चिंता नहीं थी और हर कोई भगवान राम का मंदिर बनवाना चाहता था। मुकेश कौशिक ने बताया कि वह छह दिसंबर की रात में वहां से एक ईंट व पटका लेकर चल दिए।

उन्हें खुद पर गर्व महसूस हो रहा था और उस समय उनकी उम्र 32 साल थी। जब वह घर आए तो सभी ने प्रशंसा की। उसके बाद अपने कार्यालय गए तो वहां कुछ ने विरोध किया और कुछ ने पीठ थप थपाकर बधाई देते हुए उनकी हिम्मत बढ़ाई। आज अयोध्या में रामलला का प्राण प्रतिष्ठा होने से लगता है जो कदम उन्होंने उठाया था आज वह पूरा हो रहा है। वह भी जल्द अयोध्या में जाकर भगवान श्रीराम के दर्शन करेंगे।

> “ मुकेश कौशिक बताते हैं कि उस समय उनकी उम्र 32 साल थी और शादी को दस साल हो गए थे। उस समय दो बेटे व एक बेटी थी, लेकिन अपने रामलला को विराजमान करने का जोश अलग ही था और रामलला के लिए अपने परिवार की चिंता तक नहीं की, लेकिन अब जब भी उस समय को याद करता हूं तो आंखों में आंसू निकल आते है

न जान की परवाह, न बच्चों की चिंता

मुकेश कौशिक बताते हैं कि उस समय उनकी उम्र 32 साल थी और शादी को दस साल हो गए थे। उस समय दो बेटे व एक बेटी थी, लेकिन अपने रामलला को विराजमान करने का जोश अलग ही था और रामलला के लिए अपने परिवार की चिंता तक नहीं की, लेकिन अब जब भी उस समय को याद करता हूं तो आंखों में आंसू निकल आते है तो यदि उनको गोली लग जाती तो उनके परिवार का क्या होता और वह किसके सहारे रहते।

पत्नी व बच्चे भी मारते थे ताने

मुकेश कौशिक बताते है जब वह वहां से वापस आए तो उसके कई साल बाद तक पत्नी व बच्चों ने खूब ताने मारे और उनसे कई माह तक बात तक नहीं की थी, लेकिन आज पत्नी व बच्चे भी उनके कदम को सही ठहराते है, क्योंकि भगवान राम को उनका घर जो मिल गया है।

मृतका रीना के बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाएगी DMRC, हरदीप पुरी ने भी दिए निर्देश; मिलेंगे 15 लाख

दिल्ली मेट्रो ने मृतका रीना के परिजनों को 15 लाख रुपये के मुआवजे का एलान है। मेट्रो के गेट में साड़ी फंसने से महिला की मौत हो गई थी। सके अलावा डीएमआरसी ने मृतका के दोनों बच्चों की पढ़ाई का जिम्मा भी उठाने का फैसला किया है। इसके लिए अधिकारियों की एक टीम बनाई गई है।

नई दिल्ली। मेट्रो की गेट में साड़ी फंसने से हुई महिला की मौत के हफ्तेभर बाद दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने मृतका के परिजनों को 15 लाख रुपये का मुआवजा देने का एलान किया है। इसके अलावा डीएमआरसी ने मृतका के दोनों बच्चों की पढ़ाई का जिम्मा भी उठाने का फैसला किया है। इसके लिए अधिकारियों की एक टीम बनाई गई है।

इस मामले में केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी निर्देश दिया है कि बच्चों की देखभाल और शिक्षा दिल्ली मेट्रो प्रबंधन द्वारा सुनिश्चित की जाए। 14 दिसंबर को रेड लाइन पर इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर महिला यात्री हादसे का शिकार हुई थी। 16 दिसंबर को अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी।

दिल्ली मेट्रो के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अनुज दयाल ने बताया कि मेट्रो रेलवे दावे की

प्रक्रिया नियम 2017 के प्रावधानों के तहत मृतका रीना के परिजन को पांच लाख का मुआवजा दिया जाएगा। इसके अलावा मृतका के बच्चों को मानवीय सहायता के रूप में 10 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि भी दी जाएगी। चूंकि मृतका के दोनों बच्चे अभी नाबालिग हैं, ऐसे में यह राशि किसे दी जाएगी, इसके लिए मेट्रो कानूनी सलाह ले रही है।

हादसे न हों इसके लिए बनाई जाएगी योजना

घटना कैसे हुई और मेट्रो का गेट क्यों नहीं खुला, इसकी जांच मेट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) कर रहे हैं। इसकी जांच कब खत्म होगी इस बारे में मेट्रो की तरफ से बताया नहीं गया है। डीएमआरसी के सूत्रों ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद इस तरह के हादसे न हो इसको लेकर एक विस्तृत योजना तैयार की जाएगी। अभी फिलहाल भीड़भाड़ वाले स्टेशनों पर सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए हैं।

2024 चुनाव के लिए ओडीशा कांग्रेस का रोड मैप

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भुबनेश्वर : 2024 चुनाव के लिए कांग्रेस का रोडमैप। दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और महासचिव केसी बेनुगोपाल के नेतृत्व में ओडिशा कांग्रेस के नेता, पीसीसी अध्यक्ष ने राहुल गांधी से मुलाकात की. बैठक में राजनीतिक मामलों की समिति के 20 सदस्यों ने भाग लिया ।इसके अलावा बैठक में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी चेल्ला कुमार भी मौजूद रहे. आम चुनाव कुछ महीने दूर रहते हुए संगठन को कैसे मजबूत किया जाए इस पर गहन चर्चा की गई है. पीसीसी अध्यक्ष शरत पटनायक ने कहा, इसके साथ ही राज्य की राजनीतिक स्थिति सहित रणनीति भी तैयार की गई है।

गलत दिशा में वाहन चलाते मिले 12 वाहनों के काटे चालान

महोबा। सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत सघन चेकिंग के साथ वाहन चालकों को जागरूक किए जाने का अभियान युद्धस्तर पर चल रहा है। गुरुवार को सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सुनील दत्त ने चेकिंग के दौरान गलत दिशा में वाहन चलाते मिले 12 वाहनों के चालान काटे। साथ ही बिना रिफलेक्टर टेप वाले आठ वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किए जाने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं। एआरटीओ ने प्राइवेट बस स्टैंड में बस चालकों, परिचालकों और ई-रिक्शा चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। कहा कि निजी वाहन चलाते समय सीटबेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। गलत दिशा से ओवरटेक कतई न करें। जिससे दुर्घटना की संभावना अधिक रहती है। उन्होंने यात्रियों को बैठाने व छोड़ते समय सुरक्षित स्थान पर ही वाहन खड़ा करने, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने और नशे की हालत में कतई वाहन न चलाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान ई-रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित भी किया गया। एआरटीओ ने वाहन चालकों को पंफ्लेट वितरित करते हुए रात के समय डिपर, साइड लाइट व बैक लाइट का सही तरीके से इस्तेमाल करने के तरीके बताए। चेकिंग के दौरान तीन ओवरलोड वाहनों के चालान भी काटे

विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर बन रहे केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जन जन को जागरूक करने का माध्यम

परिवहन विशेष-अनूप कुमार शर्मा

शाहपुरा। 21 दिसंबर भारत सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के प्रति व्यापक जन जागरूकता एवं इनसे वंचित लोगों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' ने गुरुवार को शाहपुरा के मिंडोलिया में पहुंचकर भारत सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के प्रति जन जागरूकता की और वंचित पात्रों को योजनाओं से जोड़ने के लिए जागरूक किया ।इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर श्री चन्दन दुबे ने लाभार्थियों से केंद्र सरकार की योजनाओं से अधिकाधिक मात्रा में जुड़ने का आह्वाहन किया तथा उज्ज्वला गैस के पैकेट भी वितरित किए। कार्यक्रम में बालिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से ग्रामीणों को प्रेरित किया। साथ ही गोद भराई का कार्यक्रम भी हुआ। शिविर में लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का धन्यवाद अर्पित किया ।कार्यक्रम में तहसीलदार श्री उत्तम चंद जांगिड़, नायक तहसीलदार श्री गेगा राम मीणा, नगर पालिका शाहपुरा के पूर्व चेयर मैन श्री कन्हैया लाल , पूर्व उपप्रधान बजरंग सिंह जी, शंकर जी गुर्जर तथा देवी लाल जी गुर्जर मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023